उत्पत्ति पर प्रश्न और उत्तर

अब, क्या किसी के पास कोई प्रश्न है जिसे वे देना चाहते हैं, क्यों, बस उन्हें सीधे ऊपर भेज दे, किसी बच्चे को उन्हें लाने दें या जैसे भी आप चाहें। या, हो सकता है, यदि हम इसमें से होकर जा सकते... मेरे—मेरे पास यहां एक पन्ने पर लगभग छह है, और फिर यहां, उसके बाद हमारे पास वहां दो है।

2 अब, हम... हम पता लगाना चाहेंगे। हम ऐसा इसलिए करते हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लोगों के मन में क्या है, वे इसके विषय में क्या सोच रहे हैं। देखा? और यही है जो एक अच्छी, मजबूत कलीसिया को बनाता है। आपके पास वो—वो समय होना चाहिए, बस जैसे कि आपको धतूरों को निकाल कर बाहर करना होगा, आप जानते हैं, और सब कुछ, सारी उन—उन चीज़ों को रास्ते से हटा दें ताकि आप लगातार आगे बढ़ सकें। तो अब यही कारण है कि हम कभी तो एक बार प्रश्न की रात लेते हैं, इसका पता लगाने के लिए।

3 अब, यदि कोई प्रश्न है जो... अब, इस बार मैंने इसे काफी हद तक खुलासा किया है। और मैंने कहा... अब, मैं अक्सर कहता था, "अब, यदि कोई भी... बस वचन से—से कुछ भी संबंधित है; उत्तर। इसे पूछें।" (धन्यवाद, भाई।) और मैंने कहा, "बस किसी वचन से संबंधित कोई भी चीज़ है; उत्तर।" देखो, हम इसका उत्तर देंगे। लेकिन आज रात मैंने कहा...

4 आप जानते है, फिर वे वहां आकर, वे कहते हैं, "भाई बिल," मुझसे एक प्रश्न पूछा, "क्या आपको लगता है यदि—यदि—यदि *फलां–फलां* ने कोई *फलां–फलां* कार्य किया, तो क्या यह *मसीहत* है? "

5 ख़ैर, यह किसी पर तो दबाव डालने जैसा है। लेकिन मैंने कहा, "उन्हें आज रात यह लेने दो।" देखिए, यह सब ठीक है। इसलिए हम यह पता लगा सकते हैं कि क्या कोई दबाव डाला जा रहा है।

6 ओह, मुझे—मुझे—मुझे आज रात सचमुच अच्छा महसूस हो रहा है। सारी दोपहर घास काटता रहा, क्योंकि तेज़ धूप में बाहर रहने से मुझे सचमुच अच्छा लग रहा था।

7 हमारे पास अब बहुत ही जल्द एक—एक सभा होने जा रही है, मत भूलना। तेईस अगस्त को, शिकागो के स्टेडियम में, जो पाँच सितंबर तक होगी। वहाँ प्रभु में एक महान समय की अपेक्षा करते है। और इसका विज्ञापन अब हर जगह किया जा रहा है, और सभी अलग–अलग अखबारों में प्रकाशित किया जा रहा हैं। और हम एक अच्छे समय की आशा करते हैं।

8 अब, मैं सोचता हूं, यहां एक पन्ने पर मेरे पास एक, दो, तीन, चार, पांच, छह प्रश्न हैं। और यह सब एक ही चीज़ से संबंधित है, पीछे उत्पत्ति की पुस्तक में—में से।

9 अब, पहला है उत्पत्ति 1:26, या 1:26 से 28, जहां वो—वो व्यक्ति... उन्होंने पूछा कि यह क्या होगा। ये क्या—क्या प्रश्न है... मेरा मतलब है, प्रश्न पूछा गया, क्षमा करें। और हम पहले उसे पढ़ना चाहते हैं. और अब, उन्होंने इसे यहां लिख कर रखा है। यदि आप इसका तुरंत अनुसरण करना चाहते हैं, तो यह ठीक है। कहा, "परमेश्वर ने मनुष्य की रचना की, नर और नारी करके उनकी रचना की।" देखा? और फिर अगले में उसके पास उत्पत्ति है, मतलब, नर या नारी, एक, उसके पास उत्पत्ति 2:7 था, "उसने मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया।" यह दूसरी जगह है। मैं उन सभी को पढ़ूंगा, जिससे कि हम उन्हें यहां एक साथ रख सकें ताकि आप देख सकें। अब पहला, इसका पहला चरण है, अब कहा गया:

1. **"परमेश्वर ने मनुष्य की सृष्टी की, नर और नारी करके। मनुष्य को बनाया, नर और नारी।"** अब, यही है, मैं सोचता हूं, यह पहला बिंदु है। **अब उत्पत्ति 2:7 में, यह कहता है, "उसने बनाया,"** (उसने इसके नीचे लकीर खींची है) **"लेकिन पहले उसने सृष्टी की।"** उसके पास तब... उसने नीचे लकीर खींची है। "**और उसने बनाया**" (लकीर खींची है) **"मनुष्य को मिट्टी में से बनाया, और उसके नथनों में सांस फूंकी," और इत्यादि। अब, क्या अंतर है, या ऊपर के वचनों में कहां पर संबंध बैठता है?**

10 अब, यह है... अब, यदि आपने इसे लिख लिया है, तो उत्पत्ति 1:26 से 28, और उत्पत्ति 2:7। अब, यह एक बहुत ही संवेदनशील चीज़ है, और मैं—मैं हो सकता है ना... इसके बारे में मेरा सिर्फ अपना विचार है, इसलिए मैं आपको इसे उसी तरह से बताऊंगा जैसे मुझे लगता है कि यह है। और यदि आप भिन्न हैं, तो कोई बात नहीं।

11 मैं भाई नेविल को उन प्रश्नों के लिए बहुत ही अच्छी से उत्तर देने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। अब, वे ठीक हैं।

12 अब, इसमें, उत्पत्ति 1:26, परमेश्वर ने मनुष्य को उसके अपने स्वरूप में बनाया। और यदि आप ध्यान देंगे, तो हम इसे ले लेंगे ताकि आप इसे पढ़ सकें, और 26... यदि आप हमारे साथ पढ़ना चाहेंगे, तो हमें आपके ऐसा करने के लिए—के लिए खुशी होगी, मेरा मिलान करें।

> *और परमेश्वर ने कहा, आओ हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों पर अधिकार रखे,... आकाश के पक्षियों के ऊपर,... पशु के ऊपर,... जो धरती के है, और रेंगनेवाले हर एक जन्तुओं के ऊपर जो धरती पर रेंगते है।*
>
> *तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया; नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की।*

13 अब, यह... मैंने सुना है कि इस पर बहुत बार चर्चा हुई है, और दुनिया भर में इस पर चर्चा होती रहती है। अब उत्पत्ति 2:7 में देखें, कि उसने यहाँ क्या किया। तो ठीक है, यहाँ है यह:

> *और... परमेश्वर ने मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया, और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंका; और मनुष्य एक जीवित प्राणी बन गया.*

14 अब, किस प्रकार की बनावट... ? सो—सो प्रश्न करने वाला पूछना चाहता है:

> **इस उत्पत्ति 1:26 का उत्पत्ति 2:7 के साथ क्या संबंध है?** परमेश्वर ने दो मनुष्य बनाये। **और कौन सा मनुष्य था, और कौन सा... इसका क्या संबंध है? क्या... ? यह वचन में किस तरह से जुड़ता है?**

15 ठीक है, अब, यदि आप ध्यान दें, तो उत्पत्ति 1:26 में, आइए पहले इसका पहला भाग लेंगे। परमेश्वर ने कहा, "आओ हम।" अब, "आओ हम," *हम* हैं... "आओ हम मनुष्य को अपने ही स्वरुप में बनाएं।" *हमारे*, अवश्य ही, हम समझते है कि वह किसी से बात कर रहा है, वह किसी अन्य अस्तित्व से बात कर रहा था। "आओ हम मनुष्य को अपने

स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं, और वे धरती के पशुओं पर अधिकार करें।"

16 यदि आप ध्यान दें, तो सृष्टि में, सबसे पहली चीज़ जो बनाई गई थी, वह निस्संदेह प्रकाश था। आप सृष्टि में से होते हुए आगे आते हैं, वो आखिरी चीज़ जो बनाई गई थी वो क्या था? एक मनुष्य। और स्त्री को पुरुष के बाद बनाया गया था। तो ठीक है, पहला... परमेश्वर की सृष्टि में जो अंतिम चीज़ बनाई गई थी, वो मनुष्य जाति है।

17 लेकिन जब परमेश्वर ने अपना पहला मनुष्य बनाया, यदि आपने ध्यान दिया हो, तो उसने उसे अपनी ही समानता में बनाया, उसे परमेश्वर के स्वरुप में बनाया। और परमेश्वर क्या है? अब, यदि हम यह पता लगा सकते हैं कि परमेश्वर क्या है, तो हम यह भी पता कर सकते हैं कि उसने किस प्रकार का मनुष्य बनाया।

18 अब संत यूहन्ना में, 4था अध्याय, और मैं... आप इसे पढ़ें, यीशु उस स्त्री से बात कर रहा था... यदि आप इसकी ओर जाना चाहते हैं। मैं... मेरे पास ज्यादा समय नहीं है, मैंने उन्हें अभी लिख कर नहीं रखा है, बस इसे याद आने से ले रहा हूं। और आप उन्हें अब देखें, यदि मैं इसे जल्दी से ढूंढ सकता हूं। अब आइए लगभग 4थे अध्याय और 14वें पद से आरंभ करेंगे:

> *और जो कोई भी इस जल में से* पीएगा *जो मैं उसे दूंगा उसे कभी प्यास न लगेगी; ...* और *सनातन जीवन के लिये जल के* सोते *उमड़ते* रहेंगे।
>
> *स्त्री ने उस से* कहा, *श्रीमान, मुझे यह जल दे दे, कि मैं... जल को खींचने के लिए यहाँ ना आऊं।*
>
> *यीशु ने* कहा... *जाओ,* और *अपने पति को बुलाओ, ...*
>
> *स्त्री ने उत्तर दिया...*

19 मैं विश्वास करता हूं कि हमें अब उससे थोड़ा ऊपर जाना होगा, पता लगाने के लिए, देखने के लिए कि मैं क्या—क्या चाहता हूँ कि आप यहाँ देखें। हो सकता है नहीं, हो सकता है मैं इसे यहाँ पर देख सकता हूँ, और मैं जिस बात को देखना चाहता हूं। क्या कहते हो? 23वां और 24वां पद। तो ठीक है।

तुम आराधना करते हो... (ऐसा ही है)*... तुम आराधना करते हो* और तुम *नहीं जानते कि किसकी करते हो: हम जानते हैं कि हम किसकी आराधना करते हैं: क्योंकि उद्धार यहूदियों का है।* (और यह सही है, देखो)

लेकिन वह समय आता है,... लेकिन वह समय आता है, और अब है, कि सच्चे आराधना करने वाले (यहूदी या अन्यजाति) *आत्मा और सच्चाई से पिता की आराधना करेंगे: क्योंकि पिता उसकी आराधना के लिये ऐसे ही लोगों को ढूंढ़ता है।*

20 अब, अगला पद है जहाँ पर मैं लेना चाहता हूँ:

परमेश्वर आत्मा है: और अवश्य है कि जो उसकी आराधना करते हैं वे आत्मा और सच्चाई से उसकी आराधना करें।

21 अब, यदि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरुप और अपनी ही समानता में बनाया, तो उसने किस प्रकार का मनुष्य बनाया? एक आत्मिक मनुष्य। अब, यदि आप ध्यान दें, जब उसने सारी सृष्टि बनाई, और एक आत्मिक मनुष्य को बनाने के बाद, अब इसे ध्यान से पढ़ते है (उसके लिए जिसने प्रश्न को पूछा है) यह पता चलेगा, कि परमेश्वर मनुष्य को पशु, मछली, और सारी चीजों पर अधिकार को देता है। लेकिन, उसकी वहां रचना में, उसने जानवरों का नेतृत्व करने के लिए अपने ही स्वरुप में मनुष्य को बनाया, मैदान के पशुओं का नेतृत्व करें, जैसे पवित्र आत्मा आज विश्वासियों का नेतृत्व करता है। समझे?

22 दूसरे शब्दों में, वो आदम था, परमेश्वर की निचली सृष्टियों में पहला मनुष्य। पहली सृष्टी स्वयं परमेश्वर था; तब परमेश्वर में से लोगोस बाहर आया, जो परमेश्वर का पुत्र था; फिर लोगोस में से बाहर, जो की वचन था ("आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया।"), लोगोस में से वो—वो मनुष्य बाहर आया।

23 ओह, अब मेरे मन में एक सुंदर तस्वीर आ गई है, यदि आप मेरे साथ एक छोटी सी यात्रा कर सकते है। मैं सोचता हूं कि मैंने इस पर पहले भी बात की है, लेकिन इसे उस स्थान पर ले जाऊं जहां आप इसे देखकर सुनिश्चित हो जायेंगे। अब, आइये एक छोटी सी यात्रा करें और थोड़ी देर के लिए पीछे जायेंगे। अब, मत सोचना कि यह कितना गर्म है, आइए हम

ठीक इस पर अपना ध्यान केंद्रित करें जिस बारे में बात करने जा रहे हैं और अब उन पर सोचे।

24 आइए सौ मिलियन वर्ष पीछे चलें जब दुनिया में इससे पहले कोई तारा हो, चंद्रमा या कुछ भी मौजूद हो। अब, एक समय था जब यहां पर कुछ भी नहीं था, यह बस सब हमेशा के लिए और अनंत काल था। और सर्वदा और अनंत काल परमेश्वर था, वो वहां आदि में था।

25 अब, आइए यहां से इस समय के कटघरे के किनारे पर चलें और इन चीजों को घटित होते हुए वहां पर देखें।

26 अब, "किसी भी मनुष्य ने कभी भी पिता को नहीं देखा है।" कोई भी मनुष्य परमेश्वर को शारीरिक रूप से नहीं देख सकता, क्योंकि परमेश्वर शरीर के आकार में नहीं है, परमेश्वर तो एक आत्मा है। समझे? तो ठीक है। "किसी ने पिता को नहीं देखा, लेकिन पिता के एकलौते ने उसे प्रगट किया।" 1ला... यूहन्ना, देखो।

27 अब, लेकिन अब ध्यान दें, वहां कुछ भी नहीं है, वहां केवल अंतरिक्ष है। वहां कोई प्रकाश नहीं है, वहां कोई अंधेरा नहीं है, वहां कुछ भी नहीं है, ये ऐसा लगता है जैसे कुछ भी नहीं है। लेकिन वहाँ पर एक महान अलौकिक अस्तित्व है, यहोवा परमेश्वर है, जिसने हर समय सारे अंतरिक्ष को ढांका हुआ है। वह सनातन से लेकर सनातन था, वो सृष्टि का आरंभ है। यही परमेश्वर है। न कुछ देख सकते है, न कुछ सुन सकते हूँ, न वातावरण में एक अणु की एक प्रतिक्रिया को, नहीं कुछ भी नहीं है, न ही हवा, नहीं कुछ भी नहीं, लेकिन फिर भी परमेश्वर वहां था। यह परमेश्वर था। (अब आइये कुछ मिनटों के लिए देखते हैं, और थोड़ी देर बाद...) किसी भी मनुष्य ने उसे नहीं देखा, अब, वह पिता है। यही परमेश्वर, पिता है।

28 अब ध्यान दें। फिर कुछ समय बाद मुझे एक छोटा सा पवित्र प्रकाश दिखाई देने लगा जिसने आकार लेना आरंभ किया, जैसे एक छोटा सा तेजोमय प्रकाश या ऐसा ही कुछ तो, आप इसे केवल आत्मिक आँखों से ही देख सकते हैं।

29 लेकिन अब देखो, जब कि हम देख रहे हैं, अब पूरी कलीसिया। हम एक बहुत बड़े समय के कटघरे पर खड़े हैं, देख रहे हैं कि परमेश्वर क्या कर रहा है। और हम यहां सीधे इस प्रश्न पर जायेंगे और आप देखेंगे कि वो इसे किस तरह से लेकर आता है।

30 अब, तो परमेश्वर को किसी ने भी नहीं देखा है। और अब, अगली चीज़ जो हम देखना आरंभ करते हैं, अलौकिक देखने वाली आँखों के द्वारा, हम वहां एक छोटे से सफेद प्रकाश को आकार लेते हुए देखते हैं। यह क्या है? इसे बाईबल के पढने वालो के द्वारा, "लोगोस," या "अभिषिक्त," या "अभिषेक," बुलाया गया था या... जैसा कि मैं कहने जा रहा था, परमेश्वर का वो—वो अंश किसी चीज़ में विकसित होना आरंभ होता है जिससे कि मनुष्य जाति को किसी प्रकार का अंदाज़ा लग सके कि यह क्या था। क्या यह छोटा, नीचा... एक छोटा सा प्रकाश, मंडराने लगा। वो... यह परमेश्वर का वचन था।

31 अब, परमेश्वर ने स्वयं इस पुत्र को जन्म दिया इससे पहले यहाँ तक एक अणु अस्तित्व में हो... या अणु बनाने के लिए वायु हो। यह था... देखो, यीशु ने कहा, "पिता, उस महिमा से मेरी महिमा कर जो दुनिया की नींव डालने से पहले हमारे पास थी।" देखो, बहुत पीछे वहां उस ओर।

32 अब, संत यूहन्ना 1 में, उसने कहा, "आदि में वचन था।" और पहला... "और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ था और हमारे मध्य में रहा।" परमेश्वर स्वयं को एक मनुष्य जाति के सामने प्रकट कर रहा है। अब देखो उसने यह कैसे किया।

33 अब, वहाँ पीछे, तब, जब यह छोटा तेजोमय प्रकाश आता है। अब, हम अभी तक कुछ भी नहीं देख सकते हैं, लेकिन केवल अलौकिक आँखों से ही हम वहाँ खड़ा एक तेजोमय प्रकाश देखते हैं। अब, यही परमेश्वर का पुत्र है, लोगोस। अब, मैं उसे एक छोटे बच्चे की तरह, पिता के दरवाजे के सामने, खेलते हुए देख सकता हूं, पूरी अनंतता के साथ। समझे? और, अब, फिर अपने काल्पनिक बनावट में वो सोचना आरंभ करता है कि क्या चींजें होंगी, और मैं उसे यह कहते हुए सुन सकता हूँ, "वहाँ उजियाला होने दो।"

34 और जब उसने ऐसा कहा, तो एक अणु टूट पड़ा और सूर्य अस्तित्व में आया। वह सैकड़ों लाखों वर्षों तक घूमता रहा, आग के गोले का आकार लेता है, और जलने लगता है, और आकार को लेता है जैसे ये आज है; अभी भी जल रहा है, अभी भी अणु टूट रहे हैं। यदि परमाणु बम को कभी छोड़ा जाए, तो परमाणु की लड़ी टूटने... यह पृथ्वी सूर्य की तरह हो जायेगी, उस ओर, बस फट रही होगी और विस्फोट हो रही होगी। यदि आप किसी

दूसरे महाद्वीप पर खड़े होकर और इसकी ओर देख सकें, यह एक और सूरज की तरह ही दिखाई देगी, जहां पर अणु इस धरती को जला रहे होंगे, यदि उस कडी को कभी छोड़ दिया जाए और यह इस तरह से घूमते, गोल–गोल घूमने लगेगी। अरबों तापमान की ये बड़ी–बड़ी लपटे लाखों–करोड़ों मील की दूरी तक पहुँचती है, उस गर्मी की—की—की, जो उस सूरज से निकलती है।

35 अब, इसे अभी देखें। सुंदर! अब, उसने सूर्य को बनाया है। और फिर, पहली बात जो आप जानते हैं, उसमें से एक बड़ा आग का गोला गिरता है, जिसका वजन लगभग... बस इस के जितना ही होगा, निकला "तेजी से!" फिर यह लोगोस जो अब यहाँ है, परमेश्वर का पुत्र, इसे देख रहा है, वह इसे सौ मिलियन वर्षों तक के लिए गिरने देता है और वो इसे रोकता है। फिर एक और वहां से उड़ता है, और वो उसे लाखों वर्षों तक के लिए (उड़ने) गिरने देता है, फिर वो इसे रोक देता है। अब, हम खड़े हुए हैं, इसे अस्तित्व में आते हुए देखते हैं।

36 अब, उसके मन में कुछ तो है, और वह क्या कर रहा है? वह अपनी पहली बाईबल को लिख रहा है। पहली बाईबल जिसे मनुष्य ने कभी देखा वे तारे, नक्षत्र था। और यह एक सिद्ध... बस... यह यहाँ इस बाईबल के साथ जुड़ता है। इसका आरंभ होता है, नक्षत्र में सबसे पहली राशि है कुवांरी। क्या यह सही है? नक्षत्र का अंतिम भाग कौन सा है? सिंह, वो सिंह। यही यीशु का पहला आगमन है, वह एक कुंवारी के जरिये से आया था; दूसरा, वह यहूदा के गोत्र के सिंह के रूप में आता है। देखा? इस सब को बनाया, कैंसर का युग, और वहां से होते हुए सब कुछ। अब, उसने इस सब को आकाश में रख दिया और इसे स्थान में रख दिया। ये सारे उल्काये, पृथ्वी के टुकड़े, या सूरज, यहाँ पर लटक रहे थे।

37 अब, जब विज्ञान उन शक्तिशाली विस्फोटक को देखने के लिए जाता है जो गिरते हैं, यह परमेश्वर को असत्य प्रमाणित नहीं करता है, यह बस मेरे लिए इसे प्रमाणित करता है। देखिए, यह बस इसे और अधिक वास्तविक बनाता है। अब, अब ध्यान दें, ये सभी शक्तिशाली विस्फोटक उस तेज़ सूर्य से दूर वहां लटक रहे हैं, और उस वातावरण में से होते हुए जाते है, निश्चित रूप से, उन्होंने संगृहीत किया है। और पहली बात जो आप जानते हैं, ये सिर्फ एक बर्फ के पत्थर से आरंभ हुआ।

38 अब, यह वो पृथ्वी थी जो अस्तित्व में आई, बस जलते हुए अंगार का एक बड़ा टुकड़ा उड़ते हुए उस ओर आ गया। इसके नीचे से अब एक परिवर्तित होते, जलते हुये ज्वालामुखी के अलावा कुछ भी नहीं है, पूरी तरह से, हर जगह से विस्फोट ज्वालामुखी से उत्पन्न होता है। और विज्ञान यह दावा करता है कि—कि यह दुनिया, इसके ऊपर की परत है, जहां पर हम रहते हैं, ये बस बिल्कुल सेब के छिलके के जैसा ही है। और पूरा... अब, इसका वर्गाकार पच्चीस हजार मील है, यह संभवतः है आठ हजार मील (लगभग आठ हजार मील) मोटा होगा। और जरा सोचिए, वहां उसमें, यह एक जलता हुआ ज्वालामुखी है।

39 और पृथ्वी का दो–तिहाई भाग, उसके दो–तिहाई भाग से भी अच्छा है, ये जल में है; और इसका एक तिहाई भाग जमीन में है, लगभग एक तिहाई। और इसकी छोटी सी परत, जिस पर हम रह रहे हैं, यह पूरी तरह से खतरनाक विस्फोटकों, गैस, गैसोलीन, तेल, हर चीज़ से भरा हुआ है। क्या यह सही है? और इसका दो–तिहाई भाग, इसके दो–तिहाई से बेहतर है, जहाँ जल है। जल का सूत्र या फार्मूला क्या है? इसका दो भाग हाइड्रोजन है और एक भाग ऑक्सीजन है, विस्फोटक।

40 हर एक कमरे में गर्म को ठंड से अलग करने के लिए पर्याप्त बिजली है, और यह एक कमरे को विस्फोट करने के लिए पर्याप्त बिजली को तैयार करेगा। आप एक गोल्फ के बॉल में इतने अणु डाल सकते हैं कि न्यूयॉर्क को धरती पर से उड़ा दे। और फिर मनुष्य, नरक के एक बर्तन पर बैठकर, अपनी छाती पर ही प्रहार करता है और परमेश्वर के वचन का उल्लंघन करता है, और कहता हैं, "नरक जैसी कोई जगह नहीं है।" (मैंने यहां थोडे में लिख रखा है, और हम इसे ले लेंगे, देखिए।) आप हर दिन इसके एक बड़े बर्तन पर बैठे हुए हैं। और जब आप यहां पर हैं तो आप ठीक इसके ऊपर बैठे हैं, और नरक ठीक आपके नीचे है।

41 और अब, ध्यान दें, लेकिन अब जब इसे पहली बार पाया गया था, जब यीशु... अब उस ओर छोटे से तेजोमय प्रकाश को देखें। अब मैं देख सकता हूं कि यह इस धरती की ओर बढ़ रहा है और इसके शीर्ष पर पहुंचता है और इसे यहां सूर्य के नजदीक ले जाना आरंभ करता है। यह बर्फ की एक बड़ी गेंद के अलावा और कुछ नहीं है। और जब यह पिघलना आरंभ होता है, तो उत्तरी इलाकों में बडी–बडी हिम की नदी कटकर और नीचे आने लगती

हैं। और जब ऐसा हुआ, तो इसने कैनसस और टेक्सास और वहां के सभी स्थानों को काट दिया, और मैक्सिको की खाड़ी में आगे चला गया। और पहली बात जो आप जानते हैं, सारी चीज़ पानी से ढकी हुई थी।

42 फिर, अब हम उत्पत्ति 1 में पहुँचते हैं, अब हम बाईबल में पहुँचते हैं, और हमारी तस्वीर से बाहर निकलकर बाईबल में जाते है। उत्पत्ति 1, "पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी; और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा था।" क्या यह सही है? "और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मंडराया।" अब, उसने जल को अलग कर दिया, पहाड़ों और ज़मीनों और आदि को ऊपर लाया; इसे सुखा दिया। वनस्पति और हर एक चीज, उसने इसे बनाया। और उसने चाँद को बनाया। और इसके समुद्र की सीमाओं को ठहराया, जिससे कि ये आगे न बढ़ सके।

43 उसने उन सभी चीजों को एक साथ इकट्ठा किया, बनाया... ? ... बाकी की सारी चीजें बनाई, सारा पशु का जीवन, पक्षी, मधुमक्खियां, बंदर, और ये जो कुछ भी है, इन सभी को यहाँ पृथ्वी पर रख दिया। और फिर उसने अब यह प्रश्न पूछा था। "आओ हम" (कौन? पिता और पुत्र) "मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाये।"

44 अब, यदि एक मनुष्य को ऐसे ही कुछ तो उस ओर छोटा सा पवित्र प्रकाश बनाया गया था, या ऐसा ही कुछ तो, जिसे देखा नहीं जा सकता (जो एक आत्मिक अस्तित्व है)। उसने स्वयं को थोड़ा और अधिक खोला या प्रकट किया, ताकि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के द्वारा स्वयं की एक त्रिएकता बनाये। और यहाँ परमेश्वर था, अब स्वयं को खोला, वहां पर उसके अंदर "आओ हम मनुष्य को बनाएं," जो उसका पुत्र था, उसमें से एक वंशज, "मनुष्य को हमारे खुद के स्वरुप में," वो एक अलौकिक जीव था। "और वह मैदान पर के पशुओं और इत्यादि पर अधिकार रखे।"

45 अब, मनुष्य ने नेतृत्व किया मनुष्य... उन—उन पशुओं और हर एक चीज का नेतृत्व किया, ठीक वैसे ही जैसे पवित्र आत्मा आज एक वास्तविक, सच्चे विश्वासी की अगुवाई करता है। परमेश्वर की आवाज़ वहाँ है... मेरा मतलब, मनुष्य की आवाज़ बोल सकती है और कह सकती... पशुओं को *इस* ओर बुलाता है, भेड़ों को *इस* चरागाह में बुलाता है, मछलियों को *इस* पानी में बुलाता है। देखो, उसके पास अधिकार था, हर एक चीज़ उसकी आज्ञा का पालन करती थी।

46 अब, लेकिन तब मिट्टी को सींचने के लिए कोई मनुष्य नहीं था, उत्पत्ति 2, मिट्टी को सींचने के लिए कोई मनुष्य नहीं था। "और फिर परमेश्वर ने मनुष्य को आकार दिया" (उत्पत्ति 2:7) "धरती की मिट्टी में से बनाया।" अब उसने उसके बाद... उसने मनुष्य को धरती की मिट्टी में से बनाया, और इस अलौकिक आत्मा को डाल दिया...

47 अब, वह वहां पर पड़ा हुआ था। मेरे पास इसकी बहुत सी तस्वीरें हो सकती है। मैं आदम को खड़ा देख सकता हूँ... आओ हम *इसे* इस तरह से लेंगे, उसे एक पेड़ की तरह खड़ा देखते है। परमेश्वर ने उसे बनाया था। वह लगभग मरा हुआ सा था जितना वह हो सकता था; उसके पैर की उंगलियां, जड़ों की तरह, जमीन में चिपकी हुई थीं। और परमेश्वर ने कहा, "वहां होने दो," या उसमें जीवन की सांस को फूंका, और वह उछल पड़ा, अपने आपे में आ गया। वो एक... उसमें जीवन की साँस को फूंका, वह एक जीवित प्राण बन गया। अब, और वह आगे बढ़ना आरंभ करता है, आगे बढ़ता है।

48 और तब परमेश्वर ने उसकी बगल में से उसका एक टुकड़ा लिया, एक पसली, एक स्त्री को बनाया। अब, उसे आत्मा कहाँ से मिली, स्त्री? समझे? जब वह... उत्पत्ति 1:26, उसने कहा, "आओ हम मनुष्य को हमारे अपने स्वरूप में बनाएं, हमारे अपनी—अपनी खुद की समानता में, उसने उन्हें (पुरुष) नर और नारी बनाया।" उस ने मनुष्य के लिये बलवान आत्मा बनाई; उसने स्त्री के लिए कोमल, छोटी, नाज़ुक, नारीत्व की आत्मा बनाई।

49 और जब आप किसी स्त्री को पुरुष की तरह व्यवहार करते देखते हैं, तो वह अपने स्थान से बाहर आ गई है, आप देखते हैं, आरंभ में। समझे? तो ठीक है। उसे चाहिए... मैं सोचता हूं कि यह शर्म की बात है कि महिलाओं ने उनके सभ्य, नारीत्व के स्थान को खो दिया है। यह शर्मनाक बात है। मैं आपसे कहता हूं, ऐसा है। इसका... आप जानते है कि मैं इसे कहूंगा। अब, मैं यहां आप महिलाओं के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। लेकिन, निःसंदेह, यदि इससे दुःख पहुंचता है, यह बस होता ही है। लेकिन, देखो, मुझे आपसे कुछ पूछने दो। ऐसा हुआ करता था कि महिलाएं इतनी नारीत्व होती थीं इतना तक कोई पुरुष उनसे बात करने जाता था और वे शरमा जाती थीं। हुंह! जो कुछ भी हो, शरमाना क्या होता है? मैंने ऐसा बहुत समय से नहीं

देखा है, यदि कोई महिला शरमा भी जाती तो मुझे यह भी पता नहीं चलता कि यह क्या है। उनमें अब वह गरिमा और नहीं बची है, वह सारी जो अच्छी नारीत्व की आत्मा होती है। वे बस... वे कर सकती हैं... वे पुरुषों की तरह कपड़े पहनती है, पुरुषों की तरह अपने बाल काटती है, पुरुषों की तरह धूम्रपान करती है, एक पुरुष की तरह पीती है, एक पुरुष की तरह गालियां देती है, एक पुरुष की तरह वोट देती है, एक पुरुष की तरह काम करती है, सो, असभ्य, कठोर बन गयी है। ओह, प्रभु! इससे पता चलता है कि आपको कहाँ होना है। बिल्कुल यही है।

50 उस छोटी सी महिला के जैसे, आप उसे अब और नहीं देख पाएंगे, ऐसी महिला व्यक्ति को ढूंढना कठिन है। क्या यह सही नहीं है? हाँ, यह सच है। इसलिए एक महिला को खड़े होकर और पुरुष के जैसे बर्ताव नहीं करना चाहिए, बड़े और बलवान पुरुष की तरह, क्योंकि वह सुशोभित होती है। परमेश्वर ने उसे वैसा ही बनाया है। मैं इसे वचनों से साबित कर सकता हूं। जी हाँ, श्रीमान। यह सही है। और...

51 लेकिन, निःसंदेह, हम इस प्रश्न से हट रहे हैं, लेकिन मैं इस प्रश्न से बहुत ज्यादा हटना चाहता। लेकिन, देखिए, यही है जहाँ उसने अपना पहला मनुष्य बनाया, वह उसके अपने स्वरूप में था।

52 और फिर, परमेश्वर, यहाँ तक इससे पहले एक तारा हो, वो जानता था कि यह दुनिया होगी। और वह जानता था कि मैं विलियम ब्रंहम होऊंगा जो मंच से सुसमाचार का प्रचार करेगा और आप *जॉन डो* होंगे जो दुनिया के कभी आरंभ होने से पहले इसे सुनते हुए बैठे होंगे। हाल्लेलुय्या!

53 अब, यही है जहाँ लोग कभी–कभी, उस—उस नियमवाद और केल्विनवाद में होते है, पूरी तरह उलझ जाते हैं। देखा? कहते हैं, "कुछ लोगों को नाश होने के लिए क्यों ठहराया गया है? " परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई भी नष्ट हो। वह नहीं चाहता कि कोई भी नष्ट हो, लेकिन फिर भी, परमेश्वर होने के नाते, वह जानता है कि कुछ लोग हैं जो इसे स्वीकार नहीं करेंगे। समझे? देखो, उसे... परमेश्वर होने के नाते उसे आरंभ से ही अंत को जानना था। क्या उसने नहीं जाना?

54 सो वह जानता था कि उसके पास कुछ स्त्रियाँ होनी है, इसलिए उसने उनकी आत्मा को ठीक वहां पर बनाया। बाईबल में कहा गया है कि उसने 1 में ऐसा किया, उत्पत्ति 1:26 में, "उसने उस मनुष्य को बनाया, " आदिरूप

में, "नर और नारी।" आमीन। देखा? एक आदिरूप में, इससे पहले वो कभी धरती की मिट्टी में से आकार को देता उसने स्त्री और पुरुष को बनाया।

55 और फिर परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया, ना ही उसके अपने स्वरूप में। यह शरीर परमेश्वर की स्वरूप में नहीं है, यह शरीर पशुओं के स्वरूप में है।

56 क्या मैं अपना कोट उतार सकता हूँ? यहाँ गर्मी बढ़ रही है। मैंने एक फटी हुई शर्ट पहनी हुई है, लेकिन आपका उस पर ध्यान नहीं जायेगा। पत्नी ने मुझे बताया कि जेसी कपड़े धोने के लिए नहीं आई, इसलिए... लेकिन, देखिए, अब हम यहां एक ऐसे विषय पर हैं जिसका महत्व पुलपीट पर फटी हुई शर्ट से कहीं अधिक है। क्या ऐसा नहीं है? इसका महत्व अनन्त जीवन है।

57 अब, ध्यान दे मनुष्य। परमेश्वर आरंभ से ही जानता था कि उसके पास पुरुष और महिलाये होने जा रहे है, और वह जानता था कि उद्धारकर्ता यहाँ पर होगा और उसे यीशु को लाना है, और उसे क्रूस पर चढ़ाया जाएगा। और जब यीशु यहाँ धरती पर था, तब उसने चेलों से कहा, कि वो "उन्हें जगत की बुनियाद डालने से पहले से जानता था," इससे पहले कि दुनिया कभी अस्तित्व में आती।

58 और परमेश्वर ने यह भी कहा, या पौलुस बोल रहा है, गलातियों में, कहा कि "उसने हमें नियुक्त किया और उसी में बुलाया इससे पहले संसार को कभी बनाया गया था।" उसके बारे में सोचे! वह परमेश्वर... कोई भी यह सुनना चाहेगा कि वचन इस बारे में क्या कहता है, अपने हाथ उठायें। यह ठीक प्रश्न के साथ–साथ जाता है। गलातियों के 1ले अध्याय में, मेरे साथ निकाले। यहाँ पर देखे। मेरा मतलब गलातियों में नहीं, मेरा मतलब इफिसियों में। अब ध्यान से सुनिए कि परमेश्वर ने क्या कहा, इफिसियों 1:

> *पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है, पवित्र लोगों के लिए जो इफिसुस में है, और* यीशु मसीह *में विश्वासयोग्य है।*
>
> उस *पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की* ओर *से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिले।*
>
> *हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिस ने हमें मसीह* यीशु *में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीषें दी हैं:*

59 अब, यहाँ है ये, ध्यान देना:

जैसा उस ने जगत की बुनियाद डालने से पहले ही हमें उसी में चुन लिया,... (व्यूह!)

60 यह बहुत ही अच्छा है। क्या ये नहीं है? यह बहुत अच्छा नहीं है, यह सचमुच में अच्छा है! इससे पहले वहां एक दुनिया की बुनियाद हो, परमेश्वर ऑरमन नेविल को जानता था और जानता था कि वो सुसमाचार का प्रचार करेंगे। क्या यह अद्भुत नहीं है? "चुना है... " क्योंकि, वो एक कलीसिया का सदस्य है, और परमेश्वर जानता था कि वह उसके पास कलीसिया होने जा रही है। और उस ने कहा, पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया से बोलते हुए कहा, "उसने हमें उसी में चुन लिया।" अब, हम सभी मसीह की देह के सदस्य हैं। क्या यह सही है? और परमेश्वर ने, इससे पहले संसार को कभी बनाया गया था, उसने आपको और मुझे उसमें चुन लिया इससे पहले संसार को कभी बनाया गया था। व्यूह! प्रभु! क्या यह अद्भुत नहीं है?

61 अब, पहला मनुष्य, अब, उसने पहले मनुष्य को *उसके* स्वरूप में बनाया, और हम उस स्वरूप पर वापस लौट रहे हैं, यह सही है, हमारे पहले बनाये गये स्वरूप की ओर।

62 जब परमेश्वर ने मुझे बनाया, विलियम ब्रंहम, मैं दुनिया की बुनियाद डालने से पहले था, उसने मेरा अस्तित्व, मेरी आत्मा को बनाया। जहां तक मैं जानता हूं मुझे किसी भी चीज़ की सुधी नहीं थी, लेकिन... मैं वहां था। ओह, मैं—मैं नहीं सोचता हूं कि आप इसे पकड़ रहे हैं। लेकिन अब, बस एक मिनट, यीशु ने चेलो से कहा कि वो "उन्हें संसार की बुनियाद से पहले ही जानता था," और पौलुस ने यहां पर यह कहा "संसार के आरंभ होने से पहले ही उसने हमें उस में चुन लिया।" अब, वहां मेरा, ऑरमन नेविल का, और आप बाकी सारे लोगों का कुछ भाग यहाँ पर था, यही है जो दुनिया के आरंभ होने से पहले ही मसीह यीशु में है। और यही है जो उस बात पर मेरा विश्लेषण है। मैं सोचता हूं कि आज जो लोग इस आत्मा के अधीन हैं, या आत्मा के, इन दूत जीवों का एक भाग, वे आत्मायें जो कि परमेश्वर के इर्द–गिर्द घूमती थी, जो आरंभ में कभी नहीं गिरी और स्वर्ग में शैतान के झूठ का विरोध किया।

63 और धरती का दो तिहाई भाग पाप में है, और उस से भी अधिक, जिन दो तिहाई दूतों को लात मारकर बाहर निकाल दिया गया था। और

वे दुष्ट आत्माएं लोगों में आती हैं और उनके शरीर में वास करती हैं। देखा मेरा क्या मतलब है? वे दुष्ट आत्मा थे जो एक बार... वे एक समय अस्तित्व में थी और वे लोगों के बीच में आकर और उन्हें एक स्वभाव को देती है। यीशु ने उन सात आत्माओं को मरियम मगदलीनी में से बाहर निकाला था। अभिमान, डींग मारना (बड़े लोग, आप देखते हैं), अशुद्ध, गंदी, अश्लीलता, प्रतिस्पर्धी, कलह। ये सारी चीजें, देखो।

64 वे आत्माएं थीं जो वहां पीछे तब बनी थीं जब परमेश्वर ने अपने खुद के स्वरूप में मनुष्य को बनाना आरंभ किया था। उन आलौकिक जीवों, उन आत्माओं को बनाया।

65 और फिर उसने मनुष्य को धरती की मिट्टी में डाला, जो पहला मनुष्य था, आदम। और उस मनुष्य को स्वरूप के अनुसार बनाया गया था, यहाँ इस मानव मनुष्य को, एक जानवर के स्वरूप के अनुसार बनाया गया है। ये मानव शरीर जानवरों के स्वरूप में बने हुए हैं।

66 हमें बिल्कुल बंदर जैसा हाथ मिला, और—और पैर एक भालू के जैसे मिले। एक छोटे से भालू के बच्चे को ले, उसके कपड़े निकाल ले, उसकी खाल खींच ले और एक छोटी बच्ची के ऊपरी भाग में रख दे और अंतर को देखें। हुंह! भाई, नजदीक से देखने पर आपको यकीन हो जायेगा। संपूर्ण मध्यपट का आकार, बनावट, लगभग एक जैसा ही है, जिस तरह से ये बना है और इसका स्वरूप, और सब कुछ ठीक बिल्कुल वैसा ही है। ये पशु जीवन के स्वरूप में है क्योंकि उसे कुछ तो एक जानवर के उद्देश्य पर बनाया गया था, क्योंकि जानवरों को नेतृत्व करना ही उसका कर्तव्य था।

67 और आप मनुष्य से पवित्र आत्मा को निकाल दे, तो वह जानवर से भी नीचा होता है, वह जानवर से भी बदतर है। यह कहना कठोर बात है। लेकिन आप एक ऐसे व्यक्ति को ले जिसका दिमाग कभी भी ठिकाने पर नहीं होता है, उसके विचारों को निर्देशित करने के लिए पवित्र आत्मा नहीं होता है, और—और इस तरह की चीज़ें, वह एक बच्चे को माँ की गोद में से लेकर फेंक देगा और उसे जानवर की तरह वासना के लिए बर्बाद कर देगा। बिल्कुल ऐसा ही है।

68 और एक महिला जो अच्छी नहीं है। आप एक पुरानी सूअरनी या एक पुराने कुत्ते को लें, हमने इसे हर प्रकार के नाम दिए हैं... लेकिन उस कुत्ती

का आचारण सिर्फ उसके बच्चों के लिए होता है, और सूअरनी की उसके बच्चो के लिए होता है, लेकिन एक चिडचिडी निकम्मी महिला भी ऐसी होती है जैसे... हर समय बस गंदगी। यह सही है। तो याद रखें, कि आप... मसीह के बिना, जो आपकी नैतिकता है... कुत्ते से भी नीचे तक गिर सकती है। यह सही है।

69 कुत्ते को खुद को ढकने के लिए कपड़े नहीं पहनने पड़ते हैं, न ही किसी अन्य जानवर को। ये मनुष्य था जो गिर गया, ना ही पशु का जीवन। लेकिन, पशु का जीवन मनुष्य (मानव जीवन) के नीचे है, जो इसके अधीन था क्योंकि मनुष्य ही उसका मार्गदर्शक और उसका सर्वोच्च अगवा था। और धरती का हर एक पशु मनुष्य से डरता है।

70 कोई मुझसे किसी समय शिकार के बारे में पूछ रहा था, "क्या आप इससे डरते हैं? " क्यों, हर जानवर को हमेशा ही मनुष्य से डरने के लिए बनाया गया था, क्योंकि ऐसा पहले यह आरंभ से ही होना चाहिए। देखा? निश्चय ही ऐसा है। आप दौड़ें और वह आपके पीछे दौड़ेगा, यह सही है, लेकिन, एक कुत्ता या कोई भी जो आप चाहे। तो ठीक है।

71 लेकिन अब, उस मनुष्य पर ध्यान दें जब वह यहां आया... अब देखो, यहाँ... आप कहते है, "अब, इसके बारे में अब क्या है, भाई ब्रंहम? "

72 अब, यहाँ आपको बिल्कुल ठीक परमेश्वर मिलता है, और वननेस और त्रिएकता के बीच आपको वह चीज़ बिल्कुल ठीक अभी मिल जाएगी। अब देखो! जब परमेश्वर नीचे उतरा, उसने स्वयं को खोल किया, स्वयं को प्रकट किया यहाँ तक वह इस मनुष्य के पास आ गया। अब, मनुष्य ने अपनी आत्मा में पाप नहीं किया, लेकिन अपने शरीर में, वासना, जुनून में। फिर जब उसने पाप किया, तो अपने आप को अपने रचयिता से अलग कर लिया। और फिर परमेश्वर, लोगोस, उसका वही रचयिता, नीचे आया और मनुष्य के स्वरूप में बनाया गया था। मनुष्य को परमेश्वर की स्वरूप में बनाया गया था, और फिर उसे जानवर के स्वरूप में बनाया गया था, और वह गिर गया। और परमेश्वर मनुष्य के स्वरूप में नीचे उतर आया, मनुष्य मसीह यीशु में, पीड़ा को सहने के लिए। परमेश्वर आत्मा में पीड़ा को नहीं सह सकता। वह आत्मा में रहकर भला शारीरिक पीड़ा कैसे सह सकता है? वह ऐसा नहीं कर सकता। इसलिए परमेश्वर ने स्वयं को खोला

और मनुष्य की स्वरूप में बनाया गया था, ताकि उस खोए हुए मनुष्य को छुड़ाये। समझे?

73 और फिर परमेश्वर ने शरीर में कष्ट को सहा। पहला तीमुथियुस 3:16, "इसमें कोई विवाद नही," यह तर्क–वितर्क है, "भक्ति का भेद बड़ा है। क्योंकि परमेश्वर देह में प्रगट हुआ था, दूतों को दिखाई दिया, और प्रचार को किया, उन अन्य–... और विश्वास किया, और पिता के दाहिने हाथ पर ग्रहण किया गया।" क्या यह सही है? परमेश्वर स्वयं नीचे उतर आया और मानव शरीर में रहा और परीक्षाओं को सहन किया। "परमेश्वर मसीह में था, अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर रहा था।" देखा प्रेम क्या है? परमेश्वर का प्रेम!

74 अब, अभी, मैं सोचता हूँ कि यह उस *पुरुष* और *महिला* को समझ जायेगा। अब, एक महिला है... मुझे इसे अभी ठीक से लाने दीजिए, जिससे कि आप इसे देख सकें, देखो। स्त्री अपने पति के अधीनता में होती है। और बाईबल ऐसा कहती है "एक पुरुष को अपनी पत्नी पर अधिकार होना चाहिए।" लेकिन उन्होंने इसे किस तरह बदल दिया है! स्त्री पुरुष पर अधिकार करती है, "अब, तुम घर पर ही रहो, जॉन! तुम नहीं जाओगे!" और इससे बात ख़त्म हो जाती है, "हाँ, मेरी प्रिय।" देखा?

75 लेकिन मुझे आपको कुछ तो बताने दो, महोदय। आपको अपनी पत्नी के लिए जवाब देना होगा, लेकिन आपकी पत्नी को कभी भी आपके लिए जवाब नहीं देना होगा। आप स्त्री का सिर हो, और परमेश्वर पुरुष का सिर है। इसलिये उसने कहा, "पुरीष मसीह के कारण अपने बाल को काटे। और स्त्री अपने बाल को काटे, क्योंकि यदि वह अपने बाल काटती है, तो वह अपने पति का अनादर करती है।" देखा? आपने देखा कि वचन जो कहता है उससे मेरा क्या मतलब है?

76 एक दिन की बात है श्रेवेपोर्ट में मुझ पर उस बात पर गरम हो गया था। वे महिलाओं के बारे में बात कर रहे थे और महिलाओं को लंबे बाल रखने चाहिए। और मैंने कहा, "एक महिला जो अपने बाल काटती है, बाईबल के अनुसार उसके पति को अधिकार है कि उसे तलाक दे दे।" यह सही है। यही है जो बाईबल कहती है। यह बिल्कुल सही है। ओह, प्रभु! पवित्र आत्मा महिलायें वहाँ बैठी हुई हैं, ठीक उसी तरह जैसे उन्हें सिखाया गया था, ऐसा ही है। देखा? बस, यही है जो ढीला छोड़ दिया गया है।

77 उसने कहा, "अब, यदि वे इसे काटेंगी, यदि वहां कुछ तो गलत है तो उन्हें अपने बालों को काटना पड़ा," कहा, "उसे एक उस्तरा लेकर और पूरा मुंडन करने दो," और उसके बालों को पूरा साफ़ कर दे, जब तक कि ये उसके सिर पर न आ जाएं। यह सही है। यही है जो वचन ने कहा है। ये कहता हैं, "यदि वह अपने बाल को काटती है, तो वह अपने पति का अपमान करती है। और जो महिला असम्मानजनक है, उससे अलग हो जाने और तलाक लेने का वैद्य अधिकार है।" लेकिन, अब वो दोबारा विवाह नहीं कर सकता। लेकिन वह—लेकिन वह उसे तलाक में डाल सकता है। यह सही है। यही वचन है। ओह, भाई, हमें कुछ प्रश्न रात्रियों की आवश्यकता है! यह सही है। यह पहला कुरिन्थियों, 14वां अध्याय है, यदि आप इसे पढ़ना चाहते हैं। तो ठीक है। अब, यह—यह... अब, यह महिला...

78 परमेश्वर—परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया, नर और नारी। क्या आपने देखा कि उसने क्या किया? उसने मनुष्य को बनाया। उसने बनाया... अब, यह पहला प्रश्न है, देखिए, "उसने उन्हें बनाया," और इत्यादि, उत्पत्ति 1:26। उत्पत्ति 2:7, "उसने उन्हें धरती की मिट्टी में से बनाया और उसके नथनों में साँस भरी।"

क्या अंतर है, या—या उपरोक्त वचनों में इसका संबंध कहां है? पहले मनुष्य का दूसरे मनुष्य के साथ क्या संबंध है?

79 पहला मनुष्य ही दूसरा मनुष्य है जो पांच चेतनाओं में प्रकट बना। समझे? ठीक अभी आप—आप परमेश्वर को *इस* तरह से हाथों से नहीं छु सकते, आप परमेश्वर को अपनी आँखों से नहीं देख सकते। उसने आपको ऐसा करने के लिए इसे नहीं दिया है। आप...

80 क्या आपने कभी किसी बूढ़े संत को मरते हुए सुना है, जब वे कहते हैं, "वहाँ पर माँ है, मैंने उसे वर्षों से नहीं देखा है"? क्या आपने कभी ऐसा सुना है जब लोग... ? देखो, यह क्या है, ये आँखें धुंधली होती जा रही हैं और आलौकिक आँखें आ रही हैं। देखा? और फिर कभी–कभी यदि हम, यदि परमेश्वर ऐसा करता है, तो हम ऐसे दर्शनों को देखते हैं जहां वह स्वाभाविक आंख धुंधली हो जाती है। ठीक हमारे सामने, हम ठीक सीधे सामने की ओर देखते हैं, और हमारे सामने एक दर्शन होता है जो परमेश्वर की आलौकिक बातें दिखाता है। समझे मेरा क्या मतलब है?

81 तो फिर, देखो, "जब यह धरती पर का डेरा जो यहाँ... " अब, यहाँ पर आपमें से कुछ महिलायें और पुरुष बूढ़े हो रहे हैं। देखो, "जब यह धरती पर का... " मैं वहां बयानवे वर्ष के बूढ़े पिता के बारे में सोचता हूं। "जब यह धरती पर का डेरा सरीखा भवन गिराया जाता है, वहां एक आत्मिक मनुष्य होता है, एक आत्मिक देह जो हमारी प्रतीक्षा कर रही है जो नष्ट नहीं हो सकती।" मैं आपको वहां देखूंगा। मैं वहां पर चलूंगा...

82 मैं वहाँ उस में—में भाई नेविल को छू नहीं सकता, क्योंकि यूहन्ना ने उन्हें देखा और वे वेदी के नीचे प्राण थे, पुकार रहे थे, "कब तक, प्रभु, कब तक? " आप जानते हैं क्यों, हमने प्रकाशितवाक्य में से होते हुए बताया है। और वहां वे किस तरह से लौटने की इच्छा रखते थे और अमरहार देह को धारण करना चाहते थे। वे चिल्ला रहे थे, "कब तक, प्रभु? "

83 अब, वे एक–दूसरे को जानते थे, लेकिन वे बात नहीं कर सकते थे और हाथ नहीं मिला सकते थे, या, मैं कल्पना करता हूं कि वे बात कर सकते थे, लेकिन वे हाथ इत्यादि नहीं मिला सकते थे। इसे साबित करने के लिए यहां वो स्वरूप है। जब एन्दोर की जादूगरनी ने शमूएल की आत्मा को बुलाया, और शाऊल ने उस पर दृष्टि की, और उस ने पहचान लिया कि वह शमूएल है। और शमूएल ने शाऊल को पहचान लिया और कहा, "तूने मुझे मेरे विश्राम में से क्यों बुलाया, देखते हुए कि तू परमेश्वर का शत्रु हो गया है, और परमेश्वर तुझ से दूर हो गया है? " क्या यह सही है? और वहाँ बूढ़ा शमूएल अपने भविष्यव्यक्ता का वस्त्र पहने खड़ा था, और उसने उसकी ओर देखा। वह एक सूट में था।

84 जादूगरनी ने उसे देखा और जमीन पर गिर पड़ी और बोली, "मैं देवताओं को धरती पर से ऊपर आते हुए देखती हूं।"

उसने कहा, "तुमने मुझे क्यों परेशान किया? "

और उसनें कहा, "खैर, मैं जानना चाहता हूं कि लड़ाई कैसी चल रही है।"

85 कहा, "कल तुम लड़ाई में मरोगे, " और उसके बेटे, "और कल रात इस समय तक तुम मेरे साथ रहोगे।" देखा? अब, वह सुधि में था, और वह वैसा ही दिख रहा था जैसा वह उस वक्त दिखता था जब वो यहाँ धरती पर था, उस जादूगरनी को जो खड़ी होकर, उसे और शाऊल को देख रही थी।

86 अब, ध्यान दें. बहुत सी बार... पिता या माँ के बारे में क्या, जब वे मर रहे थे और उन्होंने अपने प्रियजनों को वहाँ खड़ा हुआ देखा था? उन्होंने उन्हें पहचान लिया। लेकिन यह आलौकिक शरीर में है।

87 लेकिन अब यहाँ पर महिमामय भाग है। पुनरुत्थान के समय यीशु के वापस लौटने पर, यह वह शरीर नहीं होगा। तब वह शरीर, वह आलौकिक जीव जिसे परमेश्वर ने आदि में बनाया था, यह दूसरे शरीर को पाने के लिए धरती पर वापस आएगा, जो किसी स्त्री के द्वारा जन्मा हुआ नहीं होगा, लेकिन परमेश्वर के द्वारा बनाया गया होगा (हाल्लेलुय्या!), कि आप कभी भी बूढ़े न हों या झुर्रियां ना पड़ें, आपके सिर पर कभी सफेद बाल न हो, लेकिन हमेशा के लिए सिद्ध रहें! हाल्लेलुय्या! ओह भाई, यह मुझे गर्मी की रात में चिल्लाने को लगाएगा! यह सही है! ओह, "मैं शरीर का यह वस्त्र उतार दूंगा, और उठूंगा और सनातन के इनाम को हासिल करूंगा!" संसार में हमें किस विषय में चिंता करने की ज़रूरत है?

88 सम्पूर्ण योजना ठीक वहां पर रखी हुई है कि परमेश्वर ने आरंभ में मुझे कैसे बनाया। मैं यहाँ धरती पर आया हूं, मैंने एक सुसमाचार के प्रचारक के रूप में अपने स्थान को ग्रहण किया है, या आप उद्धार प्राप्त पुरुष या महिला के रूप में है, हम परमेश्वर के अनुग्रह से जीवन को जीते हैं। हाल्लेलुय्या! और वही आत्मा यहां से चली जाती है जो पीछे आरंभ में वहां थी। मैं यह जानने की सुधी में वापस जाऊँगा कि मैं यहाँ पर था, (हाल्लेलुय्या!) और उसके बाद वहां वेदी के नीचे विश्राम में प्रतीक्षा करूंगा, हमेशा के लिए धन्य। और फिर जब मैं वापस लौटता हूं, ये शरीर जो इसके सर्वोत्तम चरम पर था मैं उसे ले लेता हूं, इससे पहले कि इसे कभी मृत्यु आए।

89 लगभग बाईस या तेईस वर्ष की उम्र में मृत्यु आप पर आने लगती है, आप गिरना आरंभ होते हैं। आप वह पुरुष नहीं हैं जो आप हुआ करते थे और वह महिला नहीं हैं जो आप हुआ करती थीं, लगभग पच्चीस वर्ष की आयु के बाद, कुछ तो आ जाता है। आपकी आंखों के नीचे झुर्रियां आने लगती हैं। आप पहले की तरह धुलाई नहीं कर सकते। तीस, आप पूरी तरह इस पर ध्यान दे सकते हैं। तब तक प्रतीक्षा करें जब तक आप मेरी तरह चौवालीस वर्ष के नहीं हो जाते, और तब आप वास्तव में इस पर ध्यान देंगे। लेकिन, ओह भाई! जब तक मैं अस्सी, नब्बे का नहीं हो जाता, तब तक प्रतीक्षा करे, और उस छड़ी को लेकर, वहां खड़ा रहूंगा। यह क्या है?

परमेश्वर ने बस मुझे दौड़ने के लिए दौड़ में रखा है। लेकिन किसी महिमामय दिन... यह मृत्यु है जो आ रही है।

90 मेरे एक समय कंधे सीधे थे, मेरे बाल काले थे (और मेरा सिर भरा हुआ था), और मेरी आँखों के नीचे कोई झुर्रियाँ नहीं थीं; और अब मेरी ओर देखे, सिकुड़ रहा हूँ, कंधे झुक रहे हैं, मोटा हो रहा हूँ, और मेरी आँखों के नीचे झुर्रियाँ पड़ गई हैं, सिर गंजा हो गया है। क्यों, देखो पिछले बीस वर्षों से मृत्यु मेरे साथ क्या कर रही है। मृत्यु ऐसा कर रही है। मेरे अस्सी वर्ष का होने तक प्रतीक्षा करें, यदि परमेश्वर मुझे जीवित रहने दे, और देखो मैं कैसा दिखता हूँ, इस तरह से एक पुरानी छड़ी पर खड़ा रहूँगा, कहीं तो *इस* तरह हिल रहा होऊंगा। लेकिन, हाल्लेलुय्या, किसी महिमामय दिन, मृत्यु अपने पूरे प्रभाव को उठा लेगी। फिर जब मैं पुनरुत्थान में जी उठूँगा तो मैं वही हो जाऊँगा जो मैं था, जैसे परमेश्वर ने मुझे यहाँ धरती पर मेरे सबसे अच्छे रूप में बनाया था, एक ऐसे शरीर में जो श्रीमती ब्रंहम और श्रीमान ब्रंहम द्वारा नहीं बनाया गया है, लेकिन स्वयं परमेश्वर के द्वारा बनाया गया है; लोभ से आजाद, पाप से आजाद, किसी भी अन्य चीज़ से आजाद, ना ही कभी कोई बीमारी, ना दिल का दौरा पड़ेगा। ओह, प्रभु!

91 फिर मैं अपनी छोटी सी पत्नी का हाथ पकड़ूंगा और इस तरह परमेश्वर के स्वर्ग में नए सिरे से चलूंगा। आप भी वैसा ही करेंगे। ना ही वो बूढ़ी सफ़ेद बालों वाली महिला जिसके साथ आप आज रात घूम रहे हैं, जिसे आप अपनी पत्नी कहते है, लेकिन वह बस उतनी ही सुंदर होगी जितनी उस दिन थी जब आपने वेदी पर उससे विवाह किया था। हाल्लेलुय्या! व्यूह! यह किसी व्यक्ति को चिल्लाने के लिए काफी है। क्या ऐसा नहीं है? देखा?

92 तो ठीक है, यही वो जोड़ है। परमेश्वर ने दृढ़ निश्चय किया हैं। जब परमेश्वर कुछ भी करने का मन बना लेता है, तो उसे होना ही है। शैतान ने लैंगिक इच्छा से उस तस्वीर को बिगाड़ दिया, स्त्री के द्वारा, कि बालक को उत्पन्न करे। उसने इसे बिगाड़ दिया। तो आगे बढकर और इसे करो, इसमें कोई बात नहीं है। इस स्थान में रहने को इन्हें चुनना है, क्योंकि एकमात्र चीज जो आप इस जीवन में करते हैं अपने आकार और स्वरूप को चुनते है, आप जो हैं। यदि आप अभी लाल सिर वाले हैं, तो आप तब भी लाल सिर वाले होंगे। यदि आप अभी काले सिर वाले हैं, तो आप तब भी काले सिर वाले होंगे। देखो, आप अपने सर्वोत्तम रूप में जो थे। और यदि आप...

शैतान ने तस्वीर में बाधा डाली, आप समझ भी नहीं पाए... परमेश्वर ने आपके लिए जो विचार किया है, आप वही बनेंगे। ओह, कितना महिमामय! वहाँ आपका मनुष्य है।

93 अब उत्पत्ति 2। कहे तो, मुझे जल्दी करना होगा, मैं उन्हें ले लूंगा। (आपको कुछ मिला है? आपको मिला? आपको कोई मिला? क्या उनका उत्तर देना है?) तो ठीक है, उत्पत्ति 2:18–21:

2. परमेश्वर ने आदम की पसली से हव्वा को बनाया, उत्पत्ति 2:18–21। क्या परमेश्वर ने पुरुष और स्त्री को बनाया, उसके बाद आदम और हव्वा—हव्वा को बनाया?

3. क्या कैन अपनी पत्नी के लिए पुरुष और स्त्री की पहली रचना के पास गया था?

94 अब, आइये अब... मैं नहीं... संभव है वह व्यक्ति यहाँ उपस्थित है जिसने इसे लिखा है। अब, जब परमेश्वर... यहाँ पहले प्रश्न में:

क्या उत्पत्ति 2:18–21 के अनुसार परमेश्वर ने पुरुष और स्त्री को बनाया?

95 नहीं. मैं—मैं... जैसा—जैसा कि आप यहां देखेंगे, अब 2:18–21, ध्यान दें:

> *फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा, आदम का अकेला... रहना अच्छा नहीं; मैं उसके लिये एक ऐसा* सहायक *बनाऊंगा जो उससे मेल खाए।*
>
> *और यहोवा ने... भूमि में से सब जाति के बनैले पशुओं को बनाया...* और इत्यादि।

96 अब, परमेश्वर ने आदम की बगल से हव्वा को बनाया। आज स्त्री की शारीरिक संरचना और बनावट में पुरुष की तुलना में एक अधिक पसली होती है, क्योंकि आदम के शरीर से एक पसली निकाल ली गई थी। आदम को पहले से ही बनाया गया था और जीवित था, और अकेला था, और तब परमेश्वर ने कहा, "यह अच्छा नहीं है कि मनुष्य अकेला रहे।"

97 तो ये याजक लोग और इत्यादि जिन्हें पत्नी रखने के अधिकार से वंचित किया गया है। अब, वो, रोमन कलीसिया कुछ भी कर सकती है...

यह वे ही हैं, वे ही हैं जिन्हें इसके लिए—इसके लिए उत्तर देना होगा, ना ही मुझे।

98 खैर, मुझसे एक—एक व्यक्ति ने पूछा था, हाल ही में, कहा, "आप क्या सोचते हैं? " एक याजक, कहा, "आप यहाँ शहर में उस युवा याजक के बारे में क्या सोचते हैं जिसने उस महिला को लिया, उस लड़की को, जो यहां जेफरसनविले की लड़की है, और जाकर और उससे विवाह कर लिया? " आयरिश कलीसिया में, आपको याद है। मैं भूल गया कि उसका नाम क्या था।

99 मैंने कहा, "उसे भी विवाह करने का उतना ही अधिकार था जितना मुझे है। मैं इसके बारे में बिल्कुल यही सोचता हूं।" मैंने कहा, "एकमात्र चीज़ मुझे कहना है... जो मुझे लगता है उसने गलत किया, उसे कलीसिया जाना चाहिए था और अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था और तब जाकर और उस लड़की से विवाह करना चाहिए था, बजाये इसके कि इससे इस तरह से दूर भागे।"

100 अब, आपको याद है जब इस बात ने कुछ सप्ताह पहले यहां जेफ़रसनविले आयरिश कैथोलिक याजक के यहां जगह ली थी। वह एक युवा व्यक्ति है, और वह जा रहा था... उसकी यहाँ पर कोई हृदय प्रिय लड़की थी। और जब वह... वे उसे बहुत बड़ा प्रेम दान देते, उसके साथ याजक के इलाके को बदल देते, उसे कहीं तो इंडियानापोलिस भेज देते। और उसने बस प्रेम दान, लड़की और सभी को ले लिया, और चला गया और विवाह कर लिया, और उन्होंने उसके बारे में फिर कभी कुछ नहीं सुना। खैर, उसे विवाह करने का अधिकार था, लेकिन ऐसा करने का उसे अधिकार नहीं था। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसे उस—उस कलीसिया में जाना चाहिए था और कहना था, "यहां, मैं एक याजक के रूप में इस पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं विवाह करने जा रहा हूं और इससे बात खत्म हो जाती है।"

101 लेकिन, अब, परमेश्वर हव्वा को बना रहा है, और—और आदम और हव्वा एक ही समय में, एक चीज़ जो उसने बनाई वह आलौकिक थी, आत्मा आदम और आत्मा हव्वा, पुरुष और स्त्री। फिर, जब उसने बनाया... आदम को यहाँ रखा, यह उसके लिए अच्छा नहीं था... देखिए, यह परमेश्वर की तस्वीर है जो हर समय खुलते जा रही है। इसी तरह से हर एक चीज, यह

अब—यह अब आगे आ रहा है, अभी खुलता जा रहा है, सह–शताब्दी से होते हुए आगे और सीधे अनंतता के अंदर आ रहा है। बस परमेश्वर की तस्वीर खुलते जा रही है, परमेश्वर अपने आप को प्रकट कर रहा हैं।

102 यहाँ, परमेश्वर ने स्वयं को मसीह यीशु में प्रकट किया, यह दिखाने के लिए कि वह क्या था। यीशु क्या था? एक दुखी पुरुष, दुःख से जान पहचान थी, प्रेमी। एक वेश्या के लिए, "तुझ पर दोष लगाने वाले कहां हैं? "

"मेरे पास कोई नहीं है, प्रभु।"

"न ही मैं तुम पर दोष लगाता हूं। जा, अब से पाप ना करना।"

103 वो उस दिन रेगिस्तान की रेत और इत्यादि में से होकर लगभग तीस मील चलने से थका हुआ और शिथिल था; वहाँ नैन की एक स्त्री थी जो वहां से आ रही थी; और उसका इकलौता लड़का, मरा हुआ, वहीं पड़ा हुआ था। उसने शवयात्रा को रोक दिया, उस पर अपना हाथ रखा, कहा, "उठ।" और वह लड़का जो मर गया था फिर से जी उठा। यही—यही हमारा प्रभु यीशु है। (धन्यवाद, टेडी, पुत्र।) और वहां पर, वह हमारा प्रभु यीशु था। वह कभी भी बहुत अधिक थका हुआ नहीं था, कभी भी अच्छा करने के लिए थका हुआ नहीं होता था। तो ठीक है।

अब यहाँ एक और चीज है:

क्या कैन अपनी पत्नी के लिए पुरुष और स्त्री की पहली रचना के—के पास गया था?

104 अब, एक बहुत ही पेचीदा प्रश्न है, अब बहुत ही ध्यान से सुनना। अब, ओह, मेरे पास... आपने लोगों को कागज़ में लिखते देखा है, "कैन को उसकी पत्नी कहाँ से मिली? " ओह, मैं ऐसा हमेशा कहता था।

105 और मेरा परिवर्तन होने के बाद मैंने कभी नहीं सिखाया कि वहां लगभग चार वर्षों तक जलता हुआ नरक है। मुझे इसे वचन में देखना था। यदि मुझे नहीं पता तो मैं इसके बारे में कुछ नहीं कहूंगा। समझे?

106 लेकिन, अब, "कैन को उसकी पत्नी कहाँ से मिली? " अब, यही अब इस प्रश्न का वो—वो विश्लेषण है। "और क्या कैन अपनी पत्नी होने के लिए पुरुष और स्त्री की रचना के पास गया था? " देखा? अब, अब, पहले में से एक...

107 यह श्रीमती डेआर्क, आप सभी ने उस रात उसकी चंगाई के बारे में सुना, कैसे परमेश्वर ने उसे आशीष दी और हर एक चीज़ को किया। वह पड़ी हुई थी, मर रही थी, वे सुबह दो बजे के आसपास आये।

108 और सो, अब, मैं इसी तरह आया... उसका लड़का, जॉर्ज, वह लड़का एक माध्यम था, एड, भी। वे दुकान में थे, और मैंने वहां पीछे चर्चा को सुना, जहाँ पहले... कैन को उसकी पत्नी कहाँ मिली। ख़ैर, जिस एक जो को नीचे समझा था वह तर्क में सबसे माहिर निकला, उसने कहा, "मैं तुम्हें बताता हूं कि कैन को उसकी पत्नी कहां मिली," कहा, "कैन ने वहाँ जाकर और एक बड़ी मादा वानर से विवाह कर लिया।" और कहा, "उस वानर से अश्वेत जाति आगे आती है।" कहा, "आप ध्यान दे कि अश्वेत व्यक्ति का सिर कुछ-कुछ *इस* तरह से ही नुकीला होता है जैसे—जैसे वानर होते है, सिर में।"

109 खैर, मैं वहां खड़ा रहा, मुझे सुसमाचार में बस लगभग दो महीने ही हुए थे। मैंने कहा, "भाई मैं आपके साथ वाद-विवाद नहीं करना चाहता, क्योंकि मैं एक विद्यार्थी नहीं हूं, मैंने अभी-अभी उद्धार पाया है। लेकिन," मैंने कहा, "यदि ऐसा है, तो लोगों की अश्वेत जाति का अस्तित्व समाप्त हो गया होता जब प्रलय पूर्व विनाश हुआ, जब संसार जल के साथ नष्ट हो गया था, क्योंकि जहाज़ में केवल नूह और उसका परिवार ही था। केवल वे ही लोग थे जो उस जहाज़ में थे। अश्वेत जाति का अस्तित्व समाप्त हो गया होता," मैंने कहा, "यदि ऐसा होता तो।" मैंने कहा, "नहीं श्रीमान! अश्वेत जाति वहां से कभी भी नहीं आयी। नहीं, श्रीमान। अश्वेत जाति उसी पेड़ से निकली है जिससे हम निकले हैं, और हर एक मनुष्य जाति एक जैसे ही है।" कोई भी अंतर नहीं है। बिल्कुल। हम सब बस... एक हो सकता है पीला हो, और दूसरा एक भूरा, दूसरा एक काला, और दूसरा एक सफेद हो, और दूसरा एक पीका, और दूसरा एक लाल हो, और बस इसी तरह से, लेकिन आप सभी एक ही पेड़ से हैं। यह तो बस यहाँ पर केवल भौतिक भाग है। यह सही है। आप एक सी मनुष्य जाति हैं, जिसे यहाँ परमेश्वर के द्वारा बनाया गया है।

110 और अब, ध्यान दें, अभी ज्यादा समय नहीं हुआ, यहाँ पर लुईसविले में कुछ डॉक्टर खड़े हुए थे, मैं अफ़्रीका के बारे में बात कर रहा था कि कैसे वे गरीब लोग, विशेषकर नरभक्षी प्रकार के, किस तरह से उनके पास वहां

एक महिला थी, जो एक छोटा बच्चा लिए हुए थी, उसे एक छोटी बच्ची मिली थी, और—और उसने उस बच्ची को इस तरह से मार–मार कर एक झाड़ी से बाँध दिया और कुछ दिनों तक सड़ने दिया, आप जानते हैं, जब तक यह सड़ नहीं गयी, इससे पहले कि वे इसे खाते, आप जानते हैं। ऐसा ही कुछ भी, वे उसे थोड़ी देर सड़ने देते हैं, नरम कर देते हैं।

111 उन नरभक्षियों के विषय में ऐसा मत सोचना कि यह तो बहुत ही ज्यादा है। इंग्लैंड में भी वे इसी चीज को करते हैं, तीतरों को मारकर और उन्हें पेड़ों पर लटका देते हैं, सो जब उनके पंख गिर जाते है तब वे उन्हें खाते है। यही इंग्लैंड में एंग्लो–सैक्सन लोगों की मातृजाति है। यह सही है। और मत सोचो... आपको इंग्लैंड जाने की आवश्यकता नहीं है, बस यहाँ दक्षिणी राज्यों में जायें, आपको वही चीज़ मिलेगी। निश्चित रूप से। कोई भी मनुष्य जो घोंघा या—या रैटलसांप को खा सकता है, वो कुछ भी खा सकता है। सो... जी हाँ।

112 अब ध्यान दें, मुझे आपको बताने दो—दो। लेकिन, यहां पर क्या हुआ। अश्वेत... उस—उस अश्वेत जाति का इससे कोई लेना–देना नहीं है। कैन...

113 अब, मैं चाहता हूं कि आप देखें। उन्होंने कहा कि "वह नोद देश में गया।" अब, कैन अदन में था। और अदन, अदन का बगीचा, जो अदन के पूरब में स्थित था। क्या यह सही है? अदन का बगीचा अदन के पूर्व की ओर, अदन के पूर्व दिशा की ओर था। और उन करुबों को रखा गया था, और जीवन का पेड़ बगीचे के पूर्वी फाटक पर था, और यही वह जगह है जहां मैं सोचता हूं कि कैन और हाबिल ने उनके बलिदान को चढ़ाया। और यही वो जगह है जहाँ जलती हुई तलवार के साथ वे करुब है जो फाटक के पूर्व में है, उन्हें अब अंदर नहीं आने देंगे!

114 क्या आपने ध्यान दिया, यीशु पूर्व से आएगा। प्रकाश पूर्व से उदय होता है। हर एक चीज आती है... विकास की प्रगत अवस्था पूर्व में शुरू होकर और पश्चिम की ओर यात्रा करता है, जब तक कि यह गोल लगाकर और फिर से अपने जगह को नहीं लेता है। हम पश्चिमी गोलार्ध या आधा गोला हैं। यह पूर्वी है, पूर्वी सबसे विकास की प्रगत अवस्था है। चीन की सबसे पुराना विकास की प्रगत अवस्था है, जिसे इतिहासकारों के द्वारा आज दुनिया में जाना जाता है। पूर्व!

115 ओह, हम किस तरह से इन सवालों पर घंटों तक बने रह सकते हैं, इस एक पर, लेकिन यह सिर्फ दूसरों के लिए नहीं होगा। लेकिन ध्यान दें, यहाँ... कितने लोग जानना चाहेंगे कि हम कैन के बारे में क्या विश्वास करते हैं, कैन की पत्नी कहाँ और कौन थी? आइये देखते हैं। तो ठीक है। मैं आपको बताऊंगा कि कैन ने क्या किया, और यह एकमात्र उचित उत्तर है जिसे आप समझ सकते हैं: कैन ने अपनी खुद की बहन से विवाह किया। उसे ऐसा करना था, क्योंकि तब धरती पर केवल एक ही स्त्री थी; बाईबल केवल तीन के जन्म लेने का विवरण देती है, हम, शेम... या नहीं... मुझे क्षमा करना, कैन, हाबिल और सेत थे। लेकिन यदि वहां कोई नहीं था... बाईबल शायद ही कभी एक लड़की के जन्म को बताती है। आप यह जानते हैं।

116 अब, मैं निश्चय ही आज रात महिलाओं को विषय को लूंगा। लेकिन, देखो, दुनिया महिलाओं की आराधना करती है, लेकिन महिलाएं शुरुआत में शैतान का साधन थीं। और एक अधर्मी को आज सबसे अच्छा साधन मिला है। वह दुनिया में सभी शराब बेचने वाले की तुलना में अधिक प्रचारकों को नरक में भेजेगी। एक छोटी सी मनमानी व्यवहार करने वाली महिला उसके मुंह के कोने में सिगरेट दबाये हुए होने दो, और उसके सभी बाल इस तरह से ऊपर घुमाए हुए हो, और बड़ी बड़ी लंबी आँखों की पलकें जिसे ऊपर और नीचे झपकाती हैं, भाई, थोड़ा सा... उस पर एक तरह की सुंदर दिखने वाली शारीरिक बनावट, देखना कि वह क्या करेगी।

117 प्रचारक, बेहतर होगा कि आप अपने आप को यीशु मसीह के लहू से ढांक लें। यह सही है। अब, मुझे मत बताओ, तुम पुरुष लोगों! मैंने इसके विषय में बहुत कुछ देखा है। अब, यहाँ देखो। सबसे अच्छी बात यह है कि अपने मन को यीशु मसीह पर केंद्रित रखें और अपने विचारों को शुद्ध बनाये।

118 जैसा कि पौलुस ने वहाँ कहा, "यह... हम जानते हैं कि हमारे पास एक बहन की अगुवाई करने की सामर्थ है। मेरे पास ऐसा करने की सामर्थ है, लेकिन" कहा "मैं ऐसा नहीं करूंगा।" देखो, वो ऐसा नहीं करेगा। उसने कहा, "मैं जानता हूं कि सेवकाई को उनके—उनके अनुसार जीना चाहिए... दांवने वाले बैल का मुंह नहीं बांधो।"

119 आप जानते हैं, हम कभी–कभी सोचते हैं, क्योंकि हम एक प्रचारक हैं।... (आप और मैं नहीं, मैं नहीं कहता, भाई।) लेकिन प्रचारक सोचते हैं क्योंकि वे प्रचारक हैं कि—कि वे कलीसिया के उस एक आम विश्वासी सदस्यों से बड़े हैं। आप बड़े नहीं हो और आप परमेश्वर की दृष्टि में उस शराबी की तुलना में अधिक नहीं हो जिसे एक घंटे पहले परिवर्तित किया गया था।

120 यही एक चीज है जिसे सुधारक ने कभी भी साफ नहीं किया, ये वो चीजें है। मैं जानता हूं कि मैं अपने नाम के आगे हस्ताक्षर करता हूं "आदरणीय।" बिल्कुल ऐसा ही है, यह सिर्फ एक—एक आज की एक रिवाज की बात बन गयी है, लेकिन ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। "आदरणीय" और "बिशप" और "डॉक्टर" और वे सारी चीजें मनुष्य के बनाए हुए शीर्षक हैं, और वे बेकार की चीजें हैं! बाईबल में वे "पतरस," "याकूब," "पौलुस" "यूहन्ना" और बाकी के सब लोग थे।

121 पौलुस ने कहा, "अब, यहाँ, मैं जानता हूं कि मैं सुसमाचार का प्रचार करता हूँ, जो जो—जो—जो कि मेरा कर्तव्य है।" मैं एक प्रचारक हूँ, वो एक प्रचारक है, भाई नेविल एक प्रचारक है, लेकिन ये... यह हमारा कर्तव्य है, एक प्रचारक होना। ठीक है, यही है वो जो हमें करना चाहिए। "लेकिन मुझे कुछ तो करने दो," पौलुस ने कहा, "जो उससे भी परे है।" "अब, मुझे पैसे लेने का अधिकार है," पौलुस ने कहा, "लेकिन मैं बस आपको दिखाने के लिए तंबूओ को बनाने जा रहा हूं कि मैं बलिदान को कर सकूं—कर सकूं।" उसने कहा, "यह आदर की बात है, विवाह सभी बातों में आदर की बात है, बिछौना निष्कलंक रहे। ये एक मनुष्य के लिए अच्छा है कि विवाह कर ले।" उसने कहा, "मुझे विवाह करने का अधिकार है। अब, मैं—मैं विवाह कर सकता हूं, मुझे विवाह करने का विधिसम्मत अधिकार है। लेकिन मैं बस विवाह को नहीं करूंगा, मैं प्रभु के लिए एक और बलिदान को करना चाहता हूं।" देखा? फिर उसने कहा, "हर एक मनुष्य अपनी बुलावट को जानता है। उसे वैसा ही करने दें जैसे... कुछ लोग परमेश्वर के वचन के खातिर जीवाणुहिन होते हैं, और इत्यादि।"

122 हम अपने कर्तव्य के अलावा भी कुछ तो करना चाहते हैं। और यदि आप वास्तव में परमेश्वर की आत्मा से फिर से जन्मे हो और कहते हो, "तो ठीक, कलीसिया जाना मेरा कर्तव्य है, मुझे लगता है कि मुझे चाहिए।"

ओह, प्रभु! खैर, मैं इससे और अधिक करना चाहता हूं, मैं मसीह के लिए कुछ प्राणों को जीतना चाहता हूं। मैं कुछ तो करना चाहता हूँ! मैं बीमार लोगों के पास जाकर या उनके लिए कुछ तो करना चाहता हूं। अंतिम संस्कार में प्रचार करना मेरा कर्तव्य है, सुसमाचार का प्रचार करना मेरा कर्तव्य है, बीमारों के लिए प्रार्थना करना मेरा कर्तव्य है। मुझे कुछ तो और करने दो, मुझे बाहर जाकर और कुछ तो ऐसा करने दो जहां परमेश्वर मुझे इसके द्वारा आदर करेगा।

123 अब, वापस कैन पर आयेंगे। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] क्योंकि हव्वा ही एकमात्र स्त्री थी जिसे परमेश्वर ने बनाया था, और यदि उसकी कोई पुत्रियाँ नहीं थीं, जब वह अंतिम स्त्री (एकमात्र स्त्री) मर जाती है, तो मनुष्य जाति का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। क्या यह सही है? अब कोई और स्त्रियां नहीं थी। इसलिए उसके पास पुत्रियां होनी थीं। और कैन ने अपनी बहन से विवाह किया, क्योंकि उसे करना था, महिलाओं के उत्पन्न होने के लिए वहां कोई और स्थान है ही नहीं।

124 और यह उन दिनों में वैध और विधिसम्मत था, यहाँ तक कि अब्राहम के लिए भी, और यहाँ तक कि आगे इसहाक के लिए भी। इसहाक ने अपनी ही चचेरी बहन से विवाह किया। और अब्राहम ने अपनी ही बहन से विवाह किया, जो लहू की बहन थी। उसके पिता की... उनकी मातायें अलग–अलग हैं, लेकिन एक ही पिता है। और जीवाणु पुरुष वर्ग से ही बाहर आता है। सारा, जिसने अद्भुत इसहाक को जन्म दिया। क्या यह सही है? वहां उस समय धरती पर कोई नहीं था।

125 यह सब छाया में था, यह दर्शाता है कि... यहाँ है ये, भाई! इसहाक... रिबका कलीसिया का एक नमूना है, और इसहाक दुल्हन का एक नमूना है, मसीह। क्या यह सही है? और उनमें अवश्य ही लहू का संबंध होना चाहिए! हाल्लेलुय्या! आमीन! लहू का संबंध!

126 सो कैन ने अपनी बहन से विवाह किया, और यही है... फिर वे वहाँ से नोद देश में चले गए। अब, यदि हम थोड़ा आगे बढ़ते हैं, तो हम एक गहरे विषय के अंदर चले जायेंगे, और मैं खुश हूं कि आपने इससे आगे कभी भी नहीं पूछा, (जैसे कि, "उस दिन पर उस देश में वे बड़े–बड़े दानव कहां थे? " जोसेफस और अन्य लोगों के पास इस पर बहुत से तर्क–वितर्क हैं)।

आमीन! यदि मैंने इसे सही से नहीं लिया, तो भाई, तो इसे रविवार सुबह फिर से दे देना। तो ठीक है।

4. क्या आप इसे समझा सकते हैं कि रविवार सप्ताह का पहला दिन है और शनिवार सातवां दिन है? मसीही लोग सप्ताह के पहले दिन रविवार को कलीसिया जाते हैं। क्या उन्हें सप्ताह के सातवें दिन शनिवार को नहीं जाना चाहिए?

127 खैर, अब, प्रिय मित्र, जिस किसी ने भी यह पूछा है, यह एक बहुत अच्छा प्रश्न है। यह एक पुराना प्रश्न है जिस पर आज हजारों विधार्थी लोगों के बीच बहस होती आई है, लेकिन क्या मैं, आप मुझे मेरा अनुवाद देने दे, आप देखते हैं, मैं यही सब कर सकता हूं। और यदि मैं सही नहीं हूं, तो ठीक है, आप—आप मेरे साथ धीरज धरना, और परमेश्वर मुझे क्षमा करें, आप देखना, यदि—यदि मैं इसे गलत बताता हूं।

128 अब, जहां तक नियम की बात है... अब, यह हो सकता है सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट का व्यक्ति यहाँ पर बैठा हुआ है। यह मेरा पहला अध्ययन था, जो सेवेंथ–डे एडवेंट था। यह सही है। जो सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट था, जिसका मैंने सबसे पहले अध्ययन किया था। और जब उन्होंने आकर और मुझे यह बताया कि "शनिवार सातवां दिन था," भाई, तो यह यहूदी कैलेंडर के अनुसार था। और रोमन कैलेंडर ने इसे व्यवस्थित नहीं किया, और शनिवार को वास्तव में रविवार होना था। ख़ैर, उन्होंने मुझे किसी चीज़ पर यकीन दिलाया था जिसे मैंने सही सोचा था। और जब तक मैं उनके साहित्य को पढ़ रहा था तब तक मुझे इसके लिए सही लगा था, सौ प्रतिशत, लेकिन एक दिन मेरे हाथ एक बाईबल लग गई और तब मैंने देखा कि यह अलग ही था। देखा?

129 अब, सप्ताह के चक्र के अनुसार शनिवार सब्त का दिन है। अब, हम नहीं जानते। इसे बदल दिया गया है, और हमें बहुत सारे बदलाव मिले हैं कि आप कभी नहीं जान पाएंगे कि यह बस कौन सा था। समझे? क्योंकि हम... अब, यहूदी दावा करते हैं कि हम बस लगभग... ये ठीक अभी 1970 के आसपास है, उनके चक्र, उनके कैलेंडर के अनुसार। रोमन कैलेंडर इसे 1953 मानता है। और उनके पास एक और कैलेंडर था जो इसे कहीं तो और ले जाता है। लेकिन यही है जो इसे मसीह धर्म का प्रमाण बनाता है,

यह सब मसीह के जन्म पर आधारित है। आप देखिए, यही है जहाँ हम इसे लेते हैं।

130 अब, लेकिन अब सातवें दिन के रूप में, अब, वहाँ बहुत सारे पेंटीकोस्टल लोग हैं जो सब्त—सब्त, सब्त को मानने वाले, शनिवार सब्त का पालन करते हैं। अब, वे कहते हैं, "बाईबल में आपके लिए इसे मानने के लिए कोई शब्द नहीं है शनि–... रविवार को इस एक दिन के रूप में।" अब, मैं नए नियम में सब्त के दिन के बारे में भी यही बात कहूंगा। देखा? अब, शनिवार विश्राम का दिन था जो यहूदियों को दिया गया था। अब, यह केवल एक अवधी में दिया गया था।

131 अब, इससे हो सकता है उस पर पलटवार करने के लिए एक और सवाल खड़ा हो जाये। लेकिन, अब ध्यान देना। जब सातवें दिन पर परमेश्वर ने विश्राम किया, तब सातवें दिन को ध्यान नहीं दिया गया था, जहाँ—जहाँ तक मैं वचन के बारे में जानता हूँ, आगे लगभग पन्द्रह सौ वर्षों तक। और जंगल में परमेश्वर ने इस्राएल को चिन्ह के लिये सातवां दिन दिया बीच... परमेश्वर।

132 और परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया, अर्थात उसका यादगार विश्राम का दिन। मैं यह इस तरह से कह रहा हूं कि इसका फायदा एक—एक सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट भाई या बहन को मिल सके, देखो, और उनके पास एक सुंदर कलीसिया है। और अब ध्यान दें, मैं इस प्रश्न पर—पर बस उन लोगों से थोड़ा सा अलग होना चाहूंगा।

133 अब, परमेश्वर ने सातवें दिन को पवित्र ठहराया। छः दिन मनुष्य था। सातवां दिन परमेश्वर का विश्राम का दिन था, जो एक नमूना था, सह–शताब्दी का एक नमूना था। अब, अब इस पर ध्यान दें, कैसे—कैसे ये इसमें मिलता जाता है। अब जब यीशु धरती पर आया, यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया, क्योंकि उसने सब्त के दिन का पालन नहीं किया; उनके पास यीशु के विरुद्ध केवल दो ही आरोप थे "उसने सब्त के दिन को तोड़ा, और अपने आप को परमेश्वर बनाया।" और उसने कहा कि वह विश्राम के दिन का प्रभु है। वो था... वो परमेश्वर का सब्त भी था, और वह परमेश्वर था। इसलिए उनके पास उस पर दोष लगाने का कोई तरीका नहीं था।

134 अब, मैं बस आपके लिए इसका समाधान कर देता हूं और आपको दिखाता हूं कि हमें कौन से दिन को मानना है। अब, क्या कोई वचन है? मैं इसे आपके लाभ के लिए पूछूंगा:

क्या कोई वचन है, भाई ब्रंहम, जो हमें बता रहा है और हमें रविवार को मनाने के लिए अधिकृत कर रहा है बिल्कुल जैसे यहूदी शनिवार को मानते थे?

135 नहीं, श्रीमान, वहां कोई नहीं है। बाईबल में कोई वचन नहीं है, क्योंकि नए नियम में, हमारे लिए या तो शनिवार या रविवार को मानना है। लेकिन रविवार को हम जिस कारण से मानते हैं, ये पुनरुत्थान का एक यादगार है। कुछ नहीं...

136 अब, आप कहेंगे, "रोमन कैथोलिक ने ऐसा किया।" वे दावा करते हैं कि उन्होंने ऐसा किया, लेकिन यदि उन्होंने ऐसा किया, तो संत पौलुस एक रोमन कैथोलिक था, और वैसे ही पतरस, यूहन्ना, याकूब और बाकी लोग वही थे, क्योंकि वे सप्ताह के पहले दिन उनकी आराधना के लिये मिलते थे। और, इतिहासकारों के अनुसार, उन एक मसीही यहूदी और एक रूढ़िवादी यहूदी के बीच अंतर करने का एकमात्र तरीका था (वे दोनों ही यहूदी उपासनागृह में जाते), लेकिन एक शनिवार को जाता था (जिसने यीशु के पुनरुत्थान का इनकार किया), और दूसरा एक रविवार को जाता (जिसका विश्वास था कि यीशु मरे हुओ में से जी उठा था)। और यह एक छाप थी। और यह होगा, यह अभी तक एक छाप है, और यह पशु की छाप के रूप में सामने आ सकती है।

137 अब, मैं जानता हूं कि, हमारे प्रिय सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट भाई लोग सोचते हैं कि यही परमेश्वर की मोहर है। उन्होंने कहा, "सब्त का पालन करने से तुम पर मोहर लगा दी गई है।" वहां बाईबल में ऐसा कोई वचन नहीं है जो ऐसा कहता हो।

138 और यहाँ बाईबल में एक वचन है जो ऐसा कहता है कि—कि आप पर मोहर दी गई है, इफिसियों 4:30, कहा, "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित मत करो जिसके द्वारा तुम पर तुम्हारे छुटकारे के दिन के निमित मोहर दी गई है," पवित्र आत्मा का बपतिस्मा।

139 अब मैं आपको साबित करूंगा कि परमेश्वर की मोहर पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है। देखा? यही आत्मा का बपतिस्मा है, परमेश्वर की मोहर

है। अब, यशायाह 28, उसने कहा, "आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम, थोड़ा यहां और थोड़ा वहां होना अवश्य है।"

140 अब देखो, अब, प्रिय मित्र। अब जो लोग काम करना छोड़ देते हैं... देखो, पुरुष खुद को बचाने के लिए कुछ न कुछ ढूंढने की कोशिश करता हैं। आप इसके विषय में कुछ नहीं कर सकते। आप अनुग्रह के द्वारा बचाए गए हैं। परमेश्वर बुलाता है, परमेश्वर बचाता है। आप बस परमेश्वर के उन—उन पद चिन्हों का पालन करें, बस इतना ही। आप नहीं कह सकते। यही है जो कि एक मनुष्य का स्वभाव है। वे मांस खाना छोड़ने की कोशिश करते हैं, वे सब्त के दिन को मानने की कोशिश करते हैं, वे कोशिश करते हैं... "यदि आप *ऐसा* करना छोड़ देंगे।" ये... मांस न खाने से आप बचाए नहीं जा सकते है। आप *इस* के दारा, *उस* के द्वारा, या किसी *अन्य* के द्वारा नहीं बचाये गये हैं, आप अनुग्रह के द्वारा बचाये जाते हैं! और परमेश्वर, अनुग्रह के द्वारा, आपको नया, अंनत जीवन देता है। समझे मेरा क्या मतलब है? और अनन्त जीवन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है।

141 अब मैं आपको दिखाता हूँ। *सब्त* शब्द का क्या अर्थ है? क्या कोई भी जानता है, बस अपने हाथ को उठायेगा? सब्त? [एक बहन कहती है, "विश्राम।"—सम्पा।] विश्राम। बिल्कुल। *एस–ए–बी–बी–ए–टी–एच*, सब्त का दिन, मतलब होता है "आर–ई–एस–टी," विश्राम का दिन। आपकी बाईबल के किनारे पर लिखा होता उसे लेकर और देखें, "विश्राम" का दिन। अब आइए इब्रानियों के चौथे अध्याय की ओर चलते हैं, अब जल्दी से जायेंगे। और हम...

142 यह—यह ठीक यहाँ पर मेरा आखिरी प्रश्न है। और, भाई, देखें क्या भाई नेविल ने उन्हें वहाँ लिया है। मैं जानता हूं कि उनमें से कुछ छोटे प्रश्न हैं, इसलिए हम आपको अधिक समय तक नहीं रोकेंगे। अब, क्षमा करना जब मैं उन्हें लेता हूं।

143 अब, जब आप यहां शब्द को देखते हैं, *विश्राम*, तो आप इसका मतलब जानते हैं "सब्त।"

144 अब, यहाँ पर नया नियम है। यीशु, संत मत्ती में, वो संत मत्ती के 5वें अध्याय से आरंभ करता हैं, और वह इस तरह आरंभ करता हैं: "तुमने उन्हें कहते सुना है, वे जो पुराने समय के हैं, 'तू व्यभिचार नहीं करना।'" वो, वो क्या था? नियम, आज्ञायें। "परन्तु मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई किसी

स्त्री पर कुदृष्टि डाले।" इसे बदल दिया, क्या उसने नहीं बदला? "तुमने उन्हें कहते सुना है, वे जो पुराने समय के हैं, 'तू हत्या न करना,' लेकिन मैं तुझ से कहता हूं!" इसे बदल दिया, क्या उसने नहीं बदला? (विचार करें उसने नियम को नहीं बदला?) तो ठीक है। उसने कहा, "लेकिन मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई अपने भाई पर बिना कारण क्रोध करता है, वह हत्या कर चुका।" यह पीछे पुराने नियम के नीचे ऐसा कभी भी नहीं था, यह तो नया नियम है। वो बस उससे भी आगे की ओर तेजी से निकल गया। देखा? उसने आगे बढ़कर और उन आज्ञाओं को दिया, लेकिन उसने छोड़ दिया, उसने चौथी आज्ञा को छोड़ दिया, जो कि सातवां दिन है। अब 7वें अध्याय में, जहां वो...

145 पहाड़ी उपदेश में, यहाँ है ये जो उसने कहा, उसने कहा, "तुमने उन्हें कहते सुना है, वे जो पुराने समय के हैं, 'तुम ऐसा करना, और तुम ऐसा नहीं करना,' और मैं तुमसे भिन्न कहता हूं। तुमने उन्हें कहते सुना है, 'दांत के बदले दांत, और आंख के बदले आंख,' लेकिन मैं तुम से कहता हूं! तुमने उन्हें भिन्न कहते सुना है, लेकिन मैं तुमसे कहता हूं!"

146 अब, इस सब के अंत में, उसने चौथी आज्ञा को छोड़ दिया। अब, वो थी, "सब्त के दिन को स्मरण रखना और उसे पवित्र मानना।" अब उसने कहा:

> *हे सब परिश्रम करनेवालों, और बोझ से दबे हुए लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें* तुम्हारे प्राण में *विश्राम दूंगा*।

147 अब देखो, "जो कोई व्यभिचार करता है, उसे अवश्य ही पत्थर मारा जाना है," व्यभिचार करने के कार्य में उनके पास ऐसा करने का अधिकार था। क्या यह सही है? और यह शारीरिक रूप से किया जाना था। "जो कोई भी मारता है," उसे हत्यारा होना था।

148 लेकिन यीशु ने कहा, "जो कोई भी स्त्री की ओर देखता है," उसका प्राण, आत्मा, अब उसके शरीर में कुछ भी नहीं है। उसके प्राण को छुटकारा मिल गया है, यह तब नहीं था; यह एक स्कूल का शिक्षक था, देखो, वो नियम था। अब उसने कहा, "जो कोई किसी स्त्री को वासना की दृष्टि से देखता है, वह पहले से ही अपने हृदय में उसके साथ व्यभिचार कर चुका है।" अब उसने कहा, "तुमने उन्हें यह कहते सुना है, 'तू हत्या ना करना।'

लेकिन मैं कहता हूं कि जो कोई भी बिना किसी कारण के अपने भाई से क्रोधित होता है, वह पहले ही हत्या कर चुका है।"

149 अब उसने कहा, दूसरे शब्दों में, सब्त के बारे में, उसने कहा:

> *तुम सब परिश्रम करने वालों, और... बोझ से दबे लोगों मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें* तुम्हारे प्राणों में विश्राम दूंगा, तुम्हारे प्राणों के लिए सब्त। (ना ही भौतिक शरीर के लिए, तुम्हारे *प्राण* के लिए।)

150 अब, अब पौलुस को सुनना—सुनना। यदि आप बस... मैं जानता हूं कि यह गर्म और इत्यादि है, यहां पर भी गर्मी हो रही है। लेकिन, अब, आइये हम अब इसे करीब से ले जिससे कि हम इसे सुलझाना सुनिश्चित कर पाएंगे। अब, पौलुस, इब्रानियों को लिख रहा है। इब्रानी कौन थे? बोलिए। यहूदी थे। क्या यह सही है? अब, वे नियम को मानने वाले, सब्त को मानने वाले थे। क्या यह सही है? क्या यह सही है, प्रचारक भाई? वे सब्त को मानने वाले थे, वे नियम को मानने वाले थे। तो ठीक है।

151 अब, पौलुस छाया और नमूनों के द्वारा यहूदियों को ला रहा है, दिखाते हुए कि नियम किसका नमूना है, "व्यवस्था जिस में आने वाली अच्छी वस्तुओं की छाया है," और वह आगे बढ़ता है और एक स्थान पर इसे चंद्रमा और सूर्य के रूप में बताता है। जैसा कि वो—वो—वो चन्द्रमा बस चमकते सूरज की एक छाया है ये किसी दूसरे देश या किसी दूसरी दुनिया पर है, और यह यहां वापस प्रतिबिंबित हो रहा है। अब, लेकिन अब, और यह नहीं हो सकता... इब्रानियों 9।

152 अब, इब्रानियों 4 में अब ध्यान देना, वह सब्त के कथन पर आता है। अब देखो:

> *तो इसलिये हमें डरना चाहिए, जब कि उसके विश्राम में* प्रवेश *करने की प्रतिज्ञा अब तक है,...*

153 अब, पौलुस सब्त के माननेवालों से बात कर रहा है, उन लोगों से जो सब्त के दिन का पालन करते थे। "हमें डरना चाहिए जब कि सब्त के दिन की एक प्रतिज्ञा अब तक है," दूसरे शब्दों में। या यदि आप अपने बाईबल में किनारे में लिखे हुए को ध्यान दे, या "सब्त का पालन करना।" यह मेरे में "*जे*" है, स्कोफील्ड बाईबल से अलग, या "सब्त का पालन करना।" देखा? तो ठीक है।

हमें... इसलिये हमें डरना चाहिए, जब कि प्रतिज्ञा अब तक है... उस से रहित जान पड़े।

क्योंकि हमें सुसमाचार को सुनाया गया है जैसे कि उन्हें सुनाया गया है (वहां पीछे व्यवस्था के नीचे): *पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ, क्योंकि सुनने वालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।*

154 अब, यह वहां नियम के नीचे है। उनके पास विश्वास नहीं था, क्योंकि इसे आधार बनाने के लिए कुछ भी नहीं है। देखा? तो ठीक है:

क्योंकि हम जिन्हों ने विश्वास किया है, उसके *विश्राम* में *प्रवेश करते हैं, जैसा* उसने *कहा,...*

155 अब, "उसका" विश्राम। अब "उसका," यह मसीह का विश्राम है। तो ठीक है, उसका विश्राम, उसका "सब्त।" और हर बार जब मैं *विश्राम* का उपयोग करूंगा, ये वहां लिखा है, मैं "सब्त" का उपयोग करूंगा जिससे कि आप एक दिन को मानने के बारे में समझ जायेंगे। देखा?

क्योंकि हम जिन्हों ने विश्वास किया है, उसके *विश्राम* में *प्रवेश करते हैं, जैसा उसने कहा,... कि मैं ने अपने क्रोध में शपथ खाई,* (इब्रानियों से) *कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएंगे: यद्यपि...* (अब, पौलुस को देखे जो जाकर इसे परमेश्वर का पवित्र दिन बनाता है)... *यद्यपि जगत की बुनियाद के समय से उसके काम पूरे हो चुके थे।*

क्योंकि सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है विश्राम के लिए, या एक सब्त के लिए... (क्या यह सही है? मैं इसे वहां रखने जा रहा हूं, देखो।)

क्योंकि उस ने कहीं यों कहा है (व्यवस्था में) *इस सातवें दिन के विषय में, और परमेश्वर ने अपने सभी कार्यों से सातवें दिन* पर *विश्राम किया।*

156 वहां आपका सातवां दिन है। अब, पौलुस इस बात को मानता है कि परमेश्वर ने उन्हें यह दिया है, यह सातवाँ दिन था। और परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया, उसने सब्त के दिन को आशीष दी, उसने इसे पवित्र

ठहराया, और उसने इसे पवित्र किया, और इसे विश्राम का दिन बना दिया। परमेश्वर ने इसे किया, अपने सभी कार्यों से।

और इस स्थान पर फिर से, यदि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करेंगे। (यीशु बोल रहा है।)

157 अब, वहां कहीं एक और सब्त है। ये कहाँ है? अब, इसे यहाँ याद रखें, "परमेश्वर का विश्राम," वो सातवां दिन। पौलुस ने कहा, "उन्होंने एक नियत स्थान पर ऐसा किया था।" लेकिन अब फिर उसने कहा, "यदि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करेंगे," ठीक मत्ती में यीशु के बारे में बात करते हुए।

यह देखते हुए कि कितने और बचे हैं जो उस विश्राम में प्रवेश करें, और जिन्हें उसका सुसमाचार पहिले सुनाया गया, उन्होंने अविश्वास के... कारण उस में प्रवेश न किया:

फिर से,...

158 अब ध्यान से सुनना! जो कोई सुन रहा है, कहे "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] सुनना:

फिर से, वह एक विशेष दिन को ठहराता है,...

159 वो एक विशेष दिन को ठहराता है। यह क्या था? हर कोई इसे एक बार में कहे। सब्त! क्या यह सही है? उसने सप्ताह के सातवें दिन को इस स्थान पर सब्त के रूप में ठहरा दिया।

और फिर वह किसी विशेष दिन को ठहराकर *दाऊद की पुस्तक में,* (भजन सहिंता में) *उसे आज का दिन कहता है, इतने दिन के बाद;* (यीशु के आगमन तक, आप देखते हैं, पहली बार)... *उसे आज का दिन कहता है, कि यदि आज तुम... उसका शब्द सुनो, तो अपने हृदय को कठोर न करो।* (वहां एक और विश्राम आ रहा है; ना ही एक शारीरिक, एक *आत्मिक)*

160 अब, देखो। ओह, तुम कहते हो, "जब हमारे पास सातवां दिन भी होता है।" अब, इसे बस एक मिनट पकडे रहना। आइये अगला पद पढ़ते हैं, देखते हैं, इसे बहुत जल्दी ना पढ़े। तो ठीक है:

क्योंकि यदि यीशु ने उन्हें दिया होता *था... क्योंकि यदि— यदि यीशु ने उन्हें विश्राम दिया* होता *था,* विश्राम का दिन, *तो* उसके बाद *दूसरे दिन की चर्चा न होती।*

161 जब उसने व्यवस्था को बदल दिया, व्यवस्था से अनुग्रह में, क्या वो उन्हें विश्राम के लिए एक दिन, एक विश्राम का दिन, एक ठहराया दिन नहीं देता? लेकिन उसने सब्त के बारे में कभी कुछ नहीं कहा। उसने रविवार के बारे में कभी कुछ भी नहीं कहा, उसने शनिवार के बारे में कभी कुछ भी नहीं कहा। लेकिन यहाँ है जो उसने कहा, पौलुस ने कहा। अब देखो, "वहाँ... " 19वां... या 9वां पद:

> *सो जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है।* (यह आज का दिन है!)... *वहां* बाकी रहता है... *परमेश्वर के लोगों के लिए एक सब्त का दिन।*
>
> *क्योंकि वो* (आप और मैं) जिस ने *उसके विश्राम में प्रवेश किया है* (यीशु का विश्राम, "हे सब परिश्रम करने वाले और भारी बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।"), *उस ने भी* (आप और मैं) आरंभ में जैसे *परमेश्वर ने अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है।*

162 आमीन! वहां आपका सब्त है। क्या यह सही है?

> *आओ हम परिश्रम करें...* (पौलुस ने कहा)... *उस विश्राम में प्रवेश करने के लिए, ऐसा न हो, कि कोई जन उन की नाईं अविश्वास करके गिर* पड़े (दिनों और इत्यादि के, देखो)।
>
> *क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और यहाँ तक आर पार छेदता है... प्राण को, और...* और *विचारों को...* (आइये देखते है)... *आत्मा* को *जांचता है, और...* (बस एक मिनट)... *प्राण, और आत्मा को, और गांठ गांठ, और... गूदे गूदे को अलग करके, आर पार छेदता है, और... हृदय के इरादों और विचारों को जांचता है।*
>
> *और सृष्टि की कोई वस्तु... उस से छिपी नहीं है: वरन जिस से हमें काम है, उस* की आंखों के साम्हने *सब वस्तुएं* खुली *और बेपरदा हैं।*

163 अब, देखो, परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया, सातवें दिन की सृष्टी की, इसे यहूदियों को यादगार के लिए दे दिया। मैं अब संत पौलुस की बात कर रहा हूं, देखें, यहां पर। अब, आप सोचते है कि वह इसे

ला रहा था? क्या आपको लगता है कि उसके पास कोई अधिकार था? अब, उस गलातियों 1:8 में क्या कहता है? "यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर और जो बातें मैंने बताई है उसके अलावा कोई अन्य सुसमाचार को सिखाए, उसे तुम्हारे निमित शापित होने दो।" देखो, सुसमाचार स्पष्ट हैं। अब, देखो।

164 "तो ठीक है, भाई ब्रंहम, अब मैं क्या करूँ, बस यीशु मसीह पर विश्वास करूं? " नहीं। यह विश्राम नहीं है।

165 अब, यदि आप जानना चाहते हैं कि क्या... कितने लोग जानना चाहेंगे कि मसीह विश्राम क्या है, कहे "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, आप इस पर निशान को लगा सकते है, यदि आप चाहें तो, यशायाह 28 पर। उसने कहा, "वचन, पर वचन—वचन होना अवश्य है," बोलते हुए। "वचन पर वचन, आज्ञा पर आज्ञा, थोड़ा यहाँ और थोड़ा वहां, और जो अच्छा है उसे दृढ़ता से पकड़े रहो।" भविष्यवक्ता आने वाले समय, विश्राम के विषय में बोल रहा है, सब्त के। पूरा अध्याय पढ़ें, देखें, वह कह रहा है, "ऐसे समय जब सब्त का दिन समाप्त हो जाएगा," और वे शनिवार को भी उसी तरह जूते बेचेंगे जैसे उन्होंने सोमवार को बेचे थे, या जो कुछ भी है। आप समझे? कहा, "ऐसा समय कब होगा? " कहा:

> ... *वचन पर वचन;... आज्ञा पर आज्ञा; थोड़ा यहाँ, और थोड़ा वहां:* जो अच्छा है उसे दृढ़ता से पकड़े रहो।
>
> *क्योंकि* मैं *लड़खड़ाते होठों से और* अन्य जुबानों के साथ *इन लोगों से बात करूंगा।*
>
> ... और *यही* सब्त है, *विश्राम* है, जिस में मैंने कहा कि उन्हें उसमें प्रवेश करना चाहिए। और इस सब के कारण उन्होंने अपने हृदय को कठोर कर लिया, उनके सिर को हिलाते है और इसे अस्वीकार किया है। (बिल्कुल ऐसा ही जैसा उन्होंने पेंटीकोस्ट पर किया था जब पवित्र आत्मा लोगों पर उतरा था, और पवित्र आत्मा को सबसे पहले वहां पीछे लोगों को पेंटीकोस्ट के दिन दिया गया था। यह वो विश्राम है, परमेश्वर के लोगों के लिए सब्त का दिन।)...

166 तो यही केवल एक कारण है कि हम रविवार को मानते हैं, जिसे बाईबल के हमारे पूर्व पिताओं के द्वारा आरंभ किया गया था, संत पौलुस, यूहन्ना,

मत्ती, मरकुस, लुका, और वे सभी, वे घर–घर गये, उन्होंने सप्ताह के पहले दिन पर प्रभु भोज लिया जब वे चेले एकत्र हुए, और इसे सब्त का दिन नहीं, लेकिन प्रभु का दिन कहा गया।

167 यूहन्ना ने कहा, पतमुस टापू पर, कलीसिया में पहले से ही आधिकारिक रूप में स्थापित हो चुका था, "मैं प्रभु के दिन आत्मा में था।" यह सही है। देखा? और फिर उसने देखा...

168 और—और, अब, प्रभु का दिन ही—ही प्रभु के जी उठने का दिन है। अब, आप इतिहासकारो को पढ़े, जोसफस, अगाबस, उनमें से बहुत से है, मेरा मतलब, अगाबस नहीं, ओह, मैं नहीं... उनके प्राचीन लेखकों में से कोई भी, और आपको वहां पता चल जाएगा। कलीसिया के इतिहासकार, *फॉक्स की शहीदों की किताब*, उनमें से बहुत से है, और आप वहां पर पाएंगे कि एकमात्र अंतर है... वे यहूदियों का एक झुण्ड हैं। उनमें से एक ने उन्हें "नरभक्षी," कहकर बुलाया जो मसीही लोग थे। उन्होंने कहा, "एक मनुष्य था जिसे पोंटियस पीलातुस ने मार डाला और चेलों ने आकर उसके शव को चुरा लिया। और उन्होंने इसे छिपा दिया, और हर एक—हर एक रविवार को वे इसका कुछ भाग खाने जाते हैं।" वे प्रभु भोज ले रहे थे, आप देखते है। उन्होंने बस... वे उसके शरीर को ले रहे थे, आप देखो। उन्होंने कहा कि वे प्रभु के देह को ले रहे थे, प्रभु भोज को। और वे नहीं जानते थे कि यह क्या था, और उसने कहा, "वे नरभक्षी थे." कहा, "वे सप्ताह के पहले दिन जाकर खाते हैं, वे एक साथ इकट्ठा होते हैं और इस मनुष्य के शरीर को खाते हैं।"

169 और केवल इसी तरीके से आप बता सकते हैं कि क्या वे नियम को मानने वाले थे और पुनरुत्थान का कट्टर रूप से इनकार करने वाले थे, या क्या वे मसीही लोग थे और पुनरुत्थान में विश्वास करते थे, एक शनिवार को कलीसिया जाता था और एक रविवार को कलीसिया जाता था, जो उनके बीच एक छाप थी।

170 यह बहुत ही गहरा है, क्या नहीं है? तो ठीक है। आशा करता हूं कि इससे समझ जाएगा। पवित्र आत्मा...

171 अब, आपको वहाँ कुछ मिला, भाई? आपको चाहिए... क्या आप—क्या आप आगे जाकर इसका उत्तर देना चाहते हैं? आइए देखें, ठीक यहाँ। ओह, हां।

5. अन्यजातियों के समय काल समाप्त होने पर आता है तो क्या उसके बाद भी यहूदियों के पास बचाए जाने का अवसर होगा?

172 ओह, प्रभु, क्या यह एक बहुत ही प्रश्न नहीं है! हमारे पास सचमुच में इसमें जाने का समय नहीं है, लेकिन मुझे आपको यह बताने दे। और आप मेरे शब्दों को ले, मैं आपको दिखाऊंगा। द्वारा... यदि आप मेरे शब्दों को लेते है (जब मैं इसे समझाता हूं) परमेश्वर के प्रति, तब आप जाकर इसे देखेंगे, देखो, और फिर आप जान जायेंगे। क्योंकि मैं कल्पना करता हूं... मैं घड़ी को नहीं देख सकता, लेकिन मैं कल्पना करता हूं कि यह बीत चूका... क्या वक़्त हुआ है? कितना? साढ़े नौ बजे है। मुझे अभी अस्पताल जाना है, और न्यू अल्बनी भी जाना है, और हमें सुबह को तीन बजकर पच्चीस मिनट पर उठना है। सो... और मैं इस हफ्ते भर से किसी भी रात दो या तीन बजे से पहले बिस्तर पर नहीं गया हूं।

173 अब यहां ध्यान दें, अब जल्दी करेंगे, इसे लेने के लिए। हाँ, मेरे प्रिय मसीही मित्र, अन्यजातियों के दिन समाप्त हुये है, ठीक अभी समाप्त हो रहे है। और परमेश्वर यहूदी के पास लौट आएगा। और मैं इस छोटी सी कलीसिया से कहना चाहता हूं कि मैं लगातार प्रार्थना कर रहा हूं। और देश के भिन्न–भिन्न भागों से इसके संबंध में भविष्यवाणियां यहां आ रही हैं। मेरा विश्वास है कि यहूदी... अब, बस एक मिनट के लिए अब अपने कोट को पहने रहें।

174 यहूदी कभी भी मसीही कलीसिया की इस एक चीज़ की विचार नहीं कर पाया। यहूदी ने मुझसे बहुत सी बार बताया है, "भाई, आप परमेश्वर को तीन भागों में काटकर और मुझे नहीं दे सकते है।" यहूदी का एक ही परमेश्वर है, और वह यहोवा है।

175 और अन्यजाति ने इसे बहुत अधिक गलत समझा है, इतना तक कि उसने इसे इस तरह से सिखाया है, मगर, ज्ञान के साथ। मैं सोचता हूं उसके—उसके पास इस बात के लिए एक—एक धारणा या विचार है कि वहां तीन ईश्वर नहीं हैं। परमेश्वर एक है, प्रकटीकरण तीन हैं। एक व्यक्ति में तीन व्यक्तित्व। और जब आप संदेश प्राप्त कर सकते हैं, मैंने हाइमन एप्पलमैन से कहा... आपमें से बहुत से लोग उसे जानते हैं। उन्होंने कहा, "भाई ब्रंहम, क्या आप चिन्हों और अद्भुत कार्यों के साथ उस संदेश को फ़िलिस्तीन तक ले जायेंगे," कहा, "वहां ऐसे लाखों यहूदी लोग होंगे जो

व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में यीशु मसीह को स्वीकार करेंगे।" देखिए, यह सही बात है। अब, मैंने कहा...

176 यहां पर हमारे पास संदेश है। यीशु देह में बेपर्दा हुआ यहोवा था, बेपर्दा होकर नीचे आया। अब, परमेश्वर (पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा) ये आपकी उंगली की तरह नहीं है, जैसा कि कुछ लोग सोचते हैं। सारी चीज़ बस इस तरह से है... नहीं, परमेश्वर... मैंने अभी कुछ समय पहले ही इसे आपके लिए खोलकर बताया था, देखो, वहां एक में त्रिएकता है।

177 मैं एक में त्रिएकता हूं। मैं प्राण, शरीर और आत्मा, एक ही व्यक्ति में हूँ। क्या यह सही है? निश्चय ही। मैं—मैं कोशिकाओं का—का बना हुआ हूं, लहू और नसों का, और फिर भी एक जीव हूं। समझे? हर एक चीज जो आप देखते हैं वह त्रिएकता में है, और एक में त्रिएकता है।

178 वहां उस जहाज में एक त्रिएकता थी। नीचे वाले मंजिल पर, रेंगने वाली चीज़ें थी; दूसरी मंजिल पक्षियों, उड़ने वाली चीज़ों के लिए थी; और तीसरी मंजिल नूह और उसके परिवार के लिए थी। हर एक चीज!

179 उस भवन में। वहाँ एक सभा के लोग थे, पवित्र स्थान, परम पवित्र स्थान। समझे?

180 और तीन समय काल रहे हैं। पितृत्व, पुत्रत्व, और पवित्र आत्मा का समय काल। देखा मेरा क्या मतलब है? लेकिन वो तीनों सारे... हम नहीं कहते, "हमारे वे परमेश्वर है।" यह मूर्तिपूजक है, और यहूदी इस बात को जानता है। लेकिन जब आप उसे समझा सको कि यह यीशु ही परमेश्वर है, यहोवा परमेश्वर है, ना ही कोई दूसरा व्यक्ति या तीसरा व्यक्ति, यह हर समय एक ही व्यक्ति रहा है जो स्वयं को प्रकट कर रहा है। समझे? और फिर चिन्हों और अद्भुत कार्यो से यह सिद्ध करना कि यीशु मरे हुओं में से जी उठा है।

181 और यह डॉक्टर रीडहेड...

182 भाई वहाँ पर पीछे, कलीसिया के शिक्षक, वहां पर शिक्षक है, स्कूल के शिक्षक, यहाँ आज रात कलीसिया में है, मैंने उन्हें देखा, और मैंने वहां उनकी पत्नी और बच्चे से हाथ मिलाया। वो एक रात उसका प्रचार सुनने के लिए वहाँ पर गये थे। मैं सोचता हूं कि वे यहां पर हैं, यदि वे चले नहीं गए हो, सोचता हूं कि वह लुईसविले में एक स्कूल के शिक्षक हैं। जो भी हो, वे उसे सुनने के लिए वहां पर गये थे।

183 यह ध्यान करने योग्य बात है, वह व्यक्ति मेरे घर आया, वह और एक दूसरा (और एक यहूदी), कुछ महीने पहले की बात है। और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मुझे बॉब जोन्स में *बहुत सारी* डिग्रियाँ मिलीं है। मैं... व्हीटन से बाहर आया हूं।" सारी पढाई–लिखाई जो उसमें संचय की जा सकती थी! उसने कहा, "जब मैं छोटा लड़का था तब से लेकर मैं परमेश्वर में विश्वास रखता हूँ।" और कहा, "फिर भी मेरा जीवन खाली–खाली है!" उसने कहा, "क्या शिक्षक लोग गलत हैं? "

184 और यहाँ विचार धारा है। यदि कोई... यदि आप में से कुछ लोग उस रात खुले द्वार पर थे, जब हम कुछ लोग एक साथ प्रचार कर रहे थे। उसने कहा, "जब मुझे मेरा कहना ऐसा... " अब, सुनना, इस छोटे के भवन लोगों, क्योंकि आपकी प्रार्थनाओं और उन चीज़ों से जिनसे मदद मिलती है, इसे सुनना। उसने मुझे यहीं घर पर यह पहले ही बताया था।

185 वह मेरे घर आये, उसने कहा, "भाई ब्रंहम," कहा, "मैं आश्चर्यचकित हो गया हूं।" उसने कहा, "जो मैंने विश्वास किया है और स्वीकार किया है, मसीह को मेरे निजी उद्धारकर्ता के नाई क्या इससे भी बड़ी कोई चीज़ है? और मैं विश्वास करता हूं कि मैं आत्मा से फिर से जन्मा हूं, लेकिन मेरे पास किसी भी चीज का कोई गवाह नहीं है।"

186 मैंने कहा, "भाई, मुझे यह कहने में बहुत ही बुरा लगता है, शिक्षकों ने आपको, आपके शिक्षण को भरमा दिया है।"

187 देखो, जैसे मैं—मैं यह कह सकता हूं कि, मैं स्वर्ग जाने के लिए आपके रास्ते को सही मानने में विश्वास नहीं करता: "क्या आप इस पर विश्वास करते हैं? " कलीसियाओ में, "अब, यहाँ, मुझे यहाँ पर सही मानने दे, वो—वो बाईबल जो *इसे* कहती है, क्या आप उस पर विश्वास करते हैं? " शैतान विश्वास करता है और कांपता है! यह वो नहीं है जिस पर आप विश्वास करते हैं। आपकी आत्मा उसकी आत्मा के साथ यह गवाही को देना होगा कि आप परमेश्वर के बेटे और बेटियां हैं, फिर से जन्म लेने और पवित्र आत्मा का बपतिस्में को प्राप्त करने के द्वारा।

188 उसने कहा, "भाई ब्रंहम, आप पेंटीकोस्टल के बारे में क्या सोचते हैं? "

189 और मैंने कहा, "यही कारण है कि मैं उनसे व्यवहार कर रहा हूं। यही कारण है कि मैं—मैं उनके साथ मूर्ख बन रहा हूं, उनके पास कुछ ऐसा है जो आपके पास नहीं है।" मैंने कहा, "उनकी कट्टरता और हर चीज़ के

साथ, उनके पास एक ऐसी सच्चाई है जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते।" और मैं ठीक तब, अमेरिका के सबसे महान व्यक्तियों में से एक से बात कर रहा था। जी हां, श्रीमान। वह सूडान मिशन का अध्यक्ष हैं, जो पूरी दुनिया में सबसे बड़ा हैं, मूल रूप से मौलिक सिद्धांत हैं। वह वचनों को जानता था, और *मृत्यु, दफन होना* और पुनरुत्थान को जानता था, बस वो इस तरह प्रचार करता जैसे कि घर पर आग लगी हो। लेकिन यह ऐसा नहीं है। शैतान भी ऐसा कर सकता है। शैतान उतना ही मौलिक सिद्धांत वाला है जितना वह हो सकता है।

190 लेकिन, भाई, यीशु मसीह ने कहा, "जब तक कोई मनुष्य परमेश्वर की आत्मा से ना जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य को नहीं देखेगा।"

191 सिर्फ इसलिए नहीं कि आप कहते हैं, "हां, मैं इसे विश्वास करता हूं। हाँ, मैं—मैं विश्वास करता हूं कि यही वो तरीका है। मेरा यह विश्वास है। जी हाँ।" यह ऐसा काम नहीं करता। इसे एक नए जन्म के वास्तविक अनुभव को होना है। यह आपके और परमेश्वर के बीच कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे आप जान सकें कि आप मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चूके हैं।

192 कहा, "भाई ब्रंहम, क्या मैं पवित्र आत्मा को पा सकता हूं? "

193 मैंने कहा, "बस वहां हाइमन एप्पलमैन के ऊपर हाथ को रखा, और उसने पवित्र आत्मा के बपतिस्मा को पाया।"

194 इस दूसरे यहूदी ने रोना शुरू कर दिया, और वहां छोटे से कॉफी टेबल के कांच को तोड़ दिया, और वहां पर बहुत ही फुट–फुट कर रोया। दोनों ने कहा, "भाई ब्रंहम, हम पवित्र आत्मा को कैसे प्राप्त करें? " विद्वानों! सबसे तेज़, तीक्ष्ण बुद्धि! जो वहाँ देश में सबसे अच्छा है!

195 और मैंने कहा, "पवित्र आत्मा को पाने का प्रेरितों का तरीका उन पर हाथ रखना है।" यह सही है।

196 "हाथ को रखना।" हनन्याह पौलुस पर हाथ रखने के लिए आया जिससे कि वह उसकी दृष्टि को प्राप्त कर सके और पवित्र आत्मा से भर जाए।

197 फिलिप्पुस वहां पर गया और उसने वहाँ प्रचार किया, और वहाँ पर यीशु मसीह के नाम में एक पूरे झुण्ड को बपतिस्मा दिया। पवित्र आत्मा किसी पर नहीं आया था, क्योंकि पतरस के पास चाबियाँ थीं। और वह

नीचे आया, और उसने उन पर हाथ रखे, और उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया। क्या यह सही है?

198 पौलुस, प्रेरितों के काम 19 में, जब वो वहां से होकर गुजरा था। अपोलोस, वहां पर बिली ग्राहम का नमूना था, उनके पास एक महान बेदारी थी और अच्छा समय बिता रहा था। उसने कहा, "क्या तुमने विश्वास करने के बाद से पवित्र आत्मा को पाया है? " बैपटिस्टों के उस झुण्ड को कहा।

199 उन्होंने कहा, "हम यूहन्ना के अनुकरण करने वाले हैं। हम जानते हैं! अपोलोस हमारा प्रचारक हैं, वह एक परिवर्तित हुआ वकील हैं, देश का सबसे चतुर व्यक्ति हैं।"

200 उसने कहा, "लेकिन क्या विश्वास करने के बाद से तुमने पवित्र आत्मा को पाया है? "

उसने कहा, "हम जानते भी नहीं कि कोई पवित्र आत्मा है भी।"

कहा, "तो फिर तुमने कैसा बपतिस्मा लिया था? "

कहा, "हमने यूहन्ना के निमित बपतिस्मा लिया।"

201 कहा, "उसने मन फिराव के निमित बपतिस्मा दिया, यह कहते हुए कि उस आने वाले यीशु मसीह पर विश्वास करो।" और जब उन्होंने इसे सुना, तो उन्होंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया। और पौलुस ने उन पर हाथ रखे और उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया, और अन्य भाषा में बोलने लगे और परमेश्वर को ऊँचा उठाने लगे। यह उतना ही स्पष्ट है जितना मैं वचन को जानता हूँ।

202 अब, देखो, मित्र! यहां हो सकता है आपकी राय में थोड़ा सा अंतर हो, क्योंकि हम हर चीज़ के साथ उलझन में पड गए हैं। लेकिन आइए इसे स्पष्ट करें, अपने अनुवाद को डालने का प्रयास न करें। वही कहें जो बाईबल कहती है, उसे बस उसी तरह से पढ़ें।

203 और मैंने कहा, "भाइयों, मैं केवल एक ही बात को जानता हूं कि उन पर हाथ रखना है जो पवित्र आत्मा को पाना चाहते हैं।"

204 उसने कहा, "क्या आप हाथ रखेंगे और—और परमेश्वर से हमें आशीष देने और हमें पवित्र आत्मा देने के लिए मांगेंगे? "

205 मैंने कहा, "मैं करूँगा।" और हम जमीन पर घुटने टेककर और प्रार्थना करने लगे, और उन पर हाथ को रखा। और उसके लगभग कुछ सप्ताह के

बाद, उन दोनों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया। और जब इस डॉक्टर रीडहेड ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, तो अन्य जुबानो में बोलने के द्वारा आया। जी हां, श्रीमान।

206 और आपके सूडान मिशनों ने कहा, "हमारे पास ऐसे व्यक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है जो अन्य जुबान में बोलेगा।"

207 और वह मेरे पास आया और कहा, "'कोई अन्य जुबान में बोल रहा है'? "

208 "क्यों, क्यों," मैंने कहा, "उनका यीशु मसीह के लिए कोई स्थान नहीं है, क्योंकि यीशु मसीह अज्ञात जुबानों में बोला; और अज्ञात जुबानों में बोलते हुए मरा।"

209 वे पौलुस की शिक्षा को स्वीकार नहीं कर सकते, पौलुस उन सब से अधिक अन्य जुबानों से बोलता था।

210 कल एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, कहा, "मैं बल्कि पांच शब्द समझ के साथ बोलना चाहूंगा।"

211 लेकिन पौलुस की शिक्षा ने कहा, "भविष्यद्वाणी करने की धुन में रहो और अन्य भाषा बोलने से मना न करो।" और उन्हें अन्य भाषा में बोलने से मना किया गया है!

212 अन्य भाषा में बोलना परमेश्वर का एक दिव्य दान है जो कलीसिया में होता है बिल्कुल ये उसी तरह से आज है जैसा ये वहां आरंभ में था। बिल्कुल यही सच्चाई है। जी हाँ, वास्तव में! यही बाईबल की शिक्षा है। यह एक दिव्य दान है, और आप उसे उसी तरह से इनकार करते है जैसे आप—आप नये जन्म का इनकार करते हैं, आप यीशु के द्वारा सिखाई गई हर एक चीज का इनकार करते हैं जब आप उसे काटने की कोशिश करते हैं।

213 अब, आप उस पर क्रोधित हो सकते हैं, उनमें से बहुतों ने ऐसा किया है। लेकिन मैं कह रहा हूँ, "यह अपनी जगह पर है।" यह बस जूतों की एक जोड़ी के जैसे ही है; जब आप जूते की एक जोड़ी खरीदते हैं, तो उन के अंदर चमड़े की पट्टी रखी होती है। और यह सही है। जब आप मसीह के देह में होते हैं, तो परमेश्वर के पास यहाँ पूरी भरी हुई मेज होती है। उसके पास प्रेम होता है, उसके पास आनंद होता है।

214 यदि मैं आपकी मेज के पास जाकर और वहां बैठ जाऊं, और आप कहते है, "प्रचारक, आओ मेरे साथ खाओ," मैं विश्वास करता हूं कि आप मुझसे प्रेम करते हो। और आपके पास बीन्स और आलू और गाजर और तला हुआ चिकन और कद्दू पकवान और आइसक्रीम, सब कुछ वहाँ रखा हुआ होता है। क्योंकि, मैं सोचता हूं कि आलू को भी मैं उतना ही प्रसन्नता से लूंगा जितना की बीन्स को। केवल एक चीज, मैं सोचता हूं कि चिकन को भी उतना ही प्रसन्नता से लूंगा जितना कि पकवान को। यह सब मेज पर रखा है। और मुझे केवल इतना ही करना है कि, कहूं, "क्या आप कृपया मुझे कुछ पकवान को यहाँ देंगे? " और मैं अच्छे खुले हृदय के साथ विश्वास करता हूं, मेरे प्रति आपका प्रेम है, आप कहेंगे, "निश्चित रूप से, मेरे भाई, इसका एक अच्छा बड़ा टुकड़ा ले लीजिये।" क्या यह सही है? यदि मैं कहूँ, "क्या आप यहाँ मुझे आलू देंगे? " "क्यों नहीं, निश्चित रूप से, मेरे भाई, यह लिजिये।"

215 और हर एक छुटकारे की आशीष जिसके लिए यीशु मसीह मरा और कलवरी पर उसकी प्रायश्चिता में खरीद लिया, यह मेज पर बैठा हुआ है और हर एक विश्वासी इसके सामने बैठा हुआ है। हाल्लेलुय्या! यदि मुझे चंगाई की आवश्यकता है, तो मैं कहता हूँ, "पिता, मुझे यहाँ कुछ चंगाई देना," और मैं इसे अपनी प्लेट में डालता हूं और खाता हूं... अब, यदि आप भूख से मरना चाहते हो, तो आगे बढ़ो। जी हां, श्रीमान। और यदि भविष्यवाणी, अन्य जुबान में बोलना...

216 और—और फिर उस मनुष्य ने वहां लिखा, वो नहीं जानता कि मैंने बोला... मैंने अपने आप में अन्य जुबानों से बोला था। और वह इस किताब को लिख रहा है, आप पाएंगे कि यह राष्ट्रों को तितर–बितर कर देगी। और इसके अलावा, इस मनुष्य के पास मूडी बाईबल इंस्टीट्यूट के पच्चीस उत्कृष्ट सेवक हैं अन्य जुबान में बोलने के दान के लिए प्रयास कर रहा है। मौलिक सिद्धांत के लोग उलट गये है। *मसीही जीवन,* इस—इस महीने की, *मसीही जीवन* पत्रिका जो इस महीने की है, पन्ना उन्नीस पर देखें, और दिव्यता के उस बड़े दिव्य ज्ञानी को देखो, कहा, "क्या हम इसे स्वीकार करें? क्या हमने कुछ खोया है? "

217 मैं बहुतायत की बारिश को आते हुए सुन रहा हूं! आपके पास लोग हैं जो इसे कोने से घुमा देते हैं, लेकिन यह एक ऐसे स्थान पर आ गया है

कि परमेश्वर पवित्र आत्मा के बपतिस्मा से अन्यजातियों की दुनिया को हिला रहा हैं, इसे अपनी सम्पूर्णता और सामर्थो, चिन्हों और अद्भुत कार्यो के साथ उंडेल रहा है। इसका कारण मैं मानता हूँ... पेंटीकोस्ट को कोने पर धकेल दिया गया है और इस तरह की भिन्न–भिन्न चीजों पर क्रोधित हो जाते है, अभी तक समय नहीं आया था। यही कारण है कि उनमें यह सारा कट्टरपन था। लेकिन यह परमेश्वर की दिव्य प्रतिज्ञा और परमेश्वर का दिव्य वचन है, और परमेश्वर ने जो कहा है उसके लिए इसे पूरा होना ही होगा। और मेरा विश्वास है कि अन्यजाति के समय काल के ख़त्म होने से ठीक पहले परमेश्वर कट्टरपंथियों पर उंडेलेगा।

218 आप इसे इस महीने के *रीडर्स डाइजेस्ट* में पढ़ सकते है, इसके अगस्त के प्रकाशित अंक में। जाकर इसे देखो, किस तरह से वह मेथोडिस्ट प्रचारक जो वहां पुलपिट पर है, उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करता है जो अस्पताल के बिस्तर पर मर रहा है, और पवित्र आत्मा की गवाही आती है और वह मनुष्य तुरन्त ही चंगा हो गया था। हाल्लेलुय्या! निश्चय ही। परमेश्वर के पास यहां मेज पर दिव्य चंगाई रखी हुई है! उसके पास यहाँ मेज पर भविष्यवाणी रखी हुई है! उसके पास यहाँ मेज पर अन्य भाषाओं में बोलना रखा हुआ है! उसकी देह में में नौ आत्मिक दान हैं, और उनमें से हर एक के लिए आपका स्वागत है! हाल्लेलुय्या! जी हाँ, श्रीमान, यहाँ है हम।

क्या... अन्यजातियों के समाप्ति पर, क्या यहूदी वापस लौटेंगे?

219 जी हां, श्रीमान। बहुत से वचन है, बहन, भाई, चाहे आप कोई भी हो। योएल का एक, "गाजाम टिड्डी ने जो छोड़ा, उसे अर्बे नाम ने खा लिया," और इत्यादि, वह पेड़। और यीशु ने स्वयं ही कहा, कि वे कैसे मुंह मोड़ लेंगे, और इत्यादि। ओह, पूरा वचन, दानिय्येल और हर जगह, इसके बारे में बताता है। हाँ, यीशु ने कहा, "जब तुम अंजीर के पेड़ में उसकी कलियों को फूटते हुए देखो, तो जान लेना कि समय निकट है।"

मेरा विश्वास है कि यह दूसरा प्रश्न इससे कुछ संबंध रखता है:

6. क्या आप विश्वास करते हैं कि यहूदियों का—यहूदियों का फ़िलिस्तीन में वापस लौटना बाईबल की भविष्यवाणी की पूर्ति करता है? हमने सुना है कि आप फ़िलिस्तीन में जा रहे हैं, क्या यह सच है?

220 हां। जी हां, श्रीमान। मैं आपको कुछ बताऊंगा, सबसे बड़े में से एक... यदि आप देखना चाहते हैं कि यह वर्ष का कौन सा समय है, तो कैलेंडर

की ओर देखते है। यदि आप देखना चाहते हैं कि रात का कौन सा समय हुआ है, तो घड़ी की ओर देखते है। यदि आप देखना चाहते हैं कि आप किस दिन में रह रहे हैं, तो देखें कि यहूदी कहाँ पर हैं। यही परमेश्वर की घड़ी है।

221 और देखो! उसी रात, उसी दिन, जब प्रभु के दूत ने मुझसे भेंट की, 1946, सात मई को, ग्रीन मिल, इंडियाना में, उसी दिन यहूदियों के लिए शांति की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे और पच्चीस सौ वर्षों में वे पहली बार एक स्थापित किया गया राष्ट्र बने। हाल्लेलुय्या!

222 और, आज रात, पूरी दुनिया का सबसे पुराना झंडा, दाऊद का छह–कोनो वाला तारा, पच्चीस सौ वर्षों में पहली बार यरूशलेम के ऊपर लहराने लगा, बाबुल के छीने जाने के बाद से। यीशु ने कहा, "जब तुम अंजीर के पेड़ पर उसकी कलियों को फूटते हुए देखते हो।" वहाँ है वो! वहां उसने कहा, "एक दृष्टान्त को समझो। तुम कहते हो 'ग्रीष्म ऋतु निकट है।' जब तुम इसे देखते हो, तो जान लेते हो कि समय द्वार पर है।" हम ठीक समय के अंत में हैं।

223 किस तरह से दानिय्येल के "घृणित वस्तु" और इत्यादि की ओर देखो, आप जानते हैं, जब यीशु ने कहा। "जब वो महान राजकुमार आएगा, तो वह भविष्यवाणी करेगा एक—एक हजार दो सौ साठ दिन," जो तीन वर्ष और छह महीने था। और बिल्कुल यही है जो यीशु ने प्रचार किया। वह अकेले यहूदियों के पास आया, लोगों के लिए तब उसे एक—एक बलिदान के लिए काटा जायेगा। "और वो घृणित काम को उजाड़ देता है," मुसलमानों ने वहां उमर की मस्जिद स्थापित की है। "और वे यरूशलेम की शहरपनाह को रौंद डालेंगे जब तक" (व्यूह! जब तक?) "अन्यजातियों का समय काल पूरा ना हो।" और उसके बाद वह फिर से यहूदियों के पास लौट आएगा, और वहां हर–मगिदोन की लड़ाई होगी... वहाँ उसने अन्यजातियों को बुलाया, ताकि अपने नाम के लिए, अपनी दुल्हन होने के लिए लोगों को ले। ध्यान देना। जी हां, श्रीमान। एक लाख चौवालीस हजार सारे छुटकारा पाए हुए यहूदी हैं जिन्हें अब भी वहां खड़ा होना है। वे सभी...

224 उसके बाद जब कलीसिया को ऊपर उठाया जाता है, तो प्रकाशितवाक्य 11 में मूसा और एलिय्याह प्रकट होते हैं, और उन्हें यीशु मसीह का प्रचार करते हैं। और पवित्र आत्मा ने अन्यजातियों से ले लिया,

और कलीसिया को ऊपर उठाने के लिए रेपचर आता है। और वे यहूदी जो यहां बचे रहेंगे उन्हें साढ़े तीन वर्ष तक प्रचार किया जाएगा, क्योंकि उस ने कहा, "वहां तेरे लोगों पर अब भी सत्तर सप्ताह निर्धारित लिए किये हैं, और मसीहा उनके बीच में काटा जाएगा।" जब उसे ले लिया जाएगा, अन्यजातियों को जगह दी जाएगी, और फिर उन्हें यीशु मसीह का प्रचार करने के लिए साढ़े तीन वर्ष और मिलते है।

225 निश्चय ही, यहूदी आ रहे हैं। और मैं विश्वास करता हूं, भाई, कि जब हम इस बार फ़िलिस्तीन जायेंगे... ओह, प्रार्थना करे! वे उस बाईबल को पढ़ रहे हैं।

226 बस एक और कथन, उसके बाद मुझे यहाँ एक छोटा, संक्षेप में प्रश्न मिला है, और वे इतने ही है। मैं सोचता हूं कि यहां पर यह एक प्रार्थना है।

227 इसे देखे! डॉक्टर रीडहेड ने कहा, वहाँ खड़े होकर एक चतुर मुसलमान से बात कर रहे थे...

228 अब, अपने कान को और खुला रखे। एक मुसलमान, मेरे पास उनमें के लगभग बीस हजार लोग प्रभु यीशु के पास आए थे जब वहां उन्होंने अफ्रीका में चिन्ह और अद्भुत कार्य देखे। यह... या, नहीं, बीस हजार नहीं; यह सब मिलाकर तीस हजार थे। मैं अनुमान लगाता हूं कि उनमें से दस हजार लोग आये थे, क्योंकि बड़ी संख्या मुसलमानों की थी—थी। और जब वे वहाँ खड़े हुए थे, और मैंने कहा, "मन्दिर में आपके भविष्यवक्ताओं में से कौन सा भविष्यवक्ता इस व्यक्ति को चंगा कर सकता है? " मैंने कहा, "आपकी मूर्तियों में से कौन सी मूर्ति, आपके मूल निवासियों के लिए, इस व्यक्ति को चंगा कर सकती है? " मैंने कहा, "उनमें से कोई भी नहीं! ना ही मन्दिर में कोई भविष्यव्यक्ता... और मतलब ना कोई याजक।" और मैंने कहा, "कोई भी मूर्ति ऐसा नहीं कर सकती। और न ही मैं कर सकता हूं। लेकिन स्वर्ग के परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु मसीह को जिला कर खड़ा किया जो आज मनुष्यों के बीच जीवित है, उसे पूरी तरह चंगा कौन बनाता है जब आप उसे खड़ा हुआ देखते हैं।" एक मनुष्य जिसके गले के चारों ओर जंजीर थी, उसे कुत्ते की तरह ले जाना पड़ता था। एक मिनट के समय में ही वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया था, सामान्य और स्वस्थ।

229 और डॉक्टर रीडहेड ने मुझे एक रात को बताया जब हम वहां कार में बैठे हुए थे, उसने कहा, "ओह, प्रभु!" इसके बारे में सोचते हुए। उसने कहा

कि यह मुसलमान उसके पास आया, और कहा कि वह इस मुसलमान से बात कर रहा था, जो एक बहुत ही विद्वान मनुष्य था। उसने कहा, "अच्छा, श्रीमान, आप अपने पुराने मरे हुए नबी मोहम्मद को त्याग क्यों नहीं देते? "

230 अब, याद रखें, मुसलमान परमेश्वर में विश्वास करते हैं। वहाँ पर अफ़्रीका में—में, एक बड़ा "घंटा, " "डोंग, " इस तरह से लटका रहता है। और वे एक बड़ा रबर का हथौड़ा लेते हैं और इसे इस तरह से मारते हैं, और यह पूरे देश भर में गूंज उठता है। और हर एक मुसलमान रुक जाता है, और याजक मंदिर के सबसे ऊपर बाहर चलकर आता है, और कहता हैं "एक सच्चा और जीवित परमेश्वर है, और मोहम्मद उसका नबी हैं।"

231 यही इश्माएल की संतान हैं। देखो, हाजिरा, वे हाजिरा से अब्राहम का पुत्र हैं। देखा? वे सच्चे यहोवा परमेश्वर में विश्वास करते हैं, लेकिन वे यीशु के बारे में सोचते हैं कि... (वह था... वह *हमारा* छुड़ानेवाला है, जो स्वतंत्र स्त्री के द्वारा अन्यजातियों के पास भेजा गया है; इसहाक, देखो, और सारा के जरिये से आया)। और अब, वे हाजिरा के जरिये से आये, इश्माएल, और वे मुसलमान लोग आये।

232 और मोहम्मद की कब्र पर, आपको जाकर देखना चाहिए, यह विचित्र है, वहां पर बड़ी कब्र है। और दो हजार वर्षों से लेकर वहां एक सफेद घोड़ा काठी से बंधा हुआ खड़ा रहता है। मोहम्मद ने प्रतिज्ञा की थी कि वह किसी दिन मरे हुओं में से जी उठेगा और उस घोड़े पर चढ़कर और दुनिया को जीत लेगा। और हर—हर समय वे बस एक घोड़े को दूसरे से बदलते हैं; वहाँ एक वफादार रक्षक के साथ खडे होकर, मोहम्मद के मरे हुओं में से जी उठने की प्रतीक्षा कर रहे है। तब से लेकर दो हजार वर्ष बीत चुके हैं।

233 वे यीशु में विश्वास करते हैं, उन्होंने कहा कि वह एक नबी था। उस पुराने यरूशलेम की दीवारों पर एक बहुत बड़ी समाधि बनी हुई है, जो मोहम्मद के आने के लिए है। और यहाँ नीचे एक छोटा सा पवित्र भवन है, यह यीशु के लिए है। देखो, उन्होंने कहा, "यीशु को क्रूस पर नहीं चढ़ाया गया था, वे सभी इसमें उलझ गये थे।" कहा, "वह घोड़े पर चढ़ा और चला गया।" समझे? अब वे—वे ऐसा विश्वास करते हैं।

234 उन्होंने आँखों के बीच एक लाल बिंदु बनाया हुआ था। वहां के लोग जो भारत जाने वाले लोग है, आप इसे ध्यान से देखना। ओह, वे वहां हजारों की संख्या में खड़े हुए है।

235 और फिर डॉक्टर रीडहेड ने कहा कि वह वहां खड़े थे, और उसने कहा, "अब, आप उस पुराने मरे हुए नबी को क्यों नहीं छोड़ देते और उस एक को जो मरे हुओं में से जी उठा है, एक जीवित मसीह को क्यों स्वीकार नहीं करते? " अब, वह विद्वान था और वो जानता था कि कैसे अपनी बात को रखना है।

236 कहा कि मुसलमान ने उसकी ओर देखा, (चतुर, शिक्षित व्यक्ति, यहीं अमेरिका में, उसने यहीं शिक्षा को प्राप्त किया था) उसने कहा, "श्रीमान, भले श्रीमान, आपका पुनरुत्थित यीशु, जो मेरे मृत नबी ने किया है उससे बढ़कर और क्या कर सकता है? " कहा, "मेरे मरे हुए नबी ने मुझसे मृत्यु के बाद जीवन का प्रतिज्ञा की थी। यही है जो आपके यीशु ने किया।" ख़ैर, उसके पास कुछ तो था। कहा, "अब, उन दोनों ने एक किताब को लिखा। आप उस पर विश्वास करते हैं जो यीशु ने लिखा है, मैं उस पर विश्वास करता हूं जो मोहम्मद ने लिखा है। वे दोनों जीवन की प्रतिज्ञा को करते हैं।" कहा, "आपका यीशु मेरे लिए मेरे—मेरे मोहम्मद से बढ़कर और क्या कर सकता है? " खैर, भाई, सरल तथ्यों में, यह सच्चाई है। उसने कहा, "लेकिन बस एक क्षण, भले महोदय।" उसने कहा, "मेरे मोहम्मद ने मुझसे कभी ऐसी चीज़ों की प्रतिज्ञा नहीं की जैसा आपके यीशु ने की थी। आपके यीशु ने प्रतिज्ञा की थी... उन्होंने कहा, 'वह जी उठा है,' और दुनिया के अंत तक हर समय आपके साथ रहेगा; और जो चिन्ह और अद्भुत कार्य उस ने किए, वो तुम भी करोगे, जगत के अन्त तक। तूम बीमारों को चंगा करोगे, और मरे हुओं को जिलाओगे, और कोढ़ियों को शुद्ध करोगे, और दुष्टात्माओं को निकालोगे।" कहा, "मैंने मसीही धर्म का अच्छी तरह से अध्ययन किया है।" कहा, "अब मुझे आप शिक्षकों को यीशु मसीह को उत्पन्न करते हुए देखने दो, और मैं विश्वास कर लूंगा कि वह मरे हुओं में से जी उठा हैं। लेकिन, उससे बाहर... मोहम्मद ने हमसे कभी भी ऐसी किसी चीज़ की प्रतिज्ञा नहीं की, उसने तो बस हमसे मृत्यु के बाद जीवन की प्रतिज्ञा की थी। और यही वो चीज़ है जो आप सिखाते हैं, और दूसरे को दरकिनार करते हैं।" वह मनुष्य सही था, वो मुसलमान बिल्कुल सही था।

237 डॉक्टर रीडहेड ने कहा कि वह खड़े होकर और रोने लगा। कहा, "भाई ब्रंहम, मैं आपके विषय में सोचने लगा।" और वह यहाँ पर दौड़कर आया, और मैंने वहां जाकर, और उस पर हाथ रखा, और उस पर पवित्र आत्मा का बपतिस्मा उतर आया। और अब वह यहाँ तक दर्शन और इत्यादि भी देखता है। अब मुसलमानों को उससे मिलने दो! वह एक भिन्न व्यक्ति है!

238 मैं कहता हूं कि हमारा यीशु मरे हुओ में से जी उठा, वह आज जीवित है। और वह उन्हीं कार्यों को आज भी करता है जो उसने तब किये थे, सभी प्रकार के चिन्ह और अद्भुत कार्य। और आप मौलिक सिद्धांत के लोग यहाँ बैठ कर उसे समझाने की कोशिश करते हैं, और बाईबल के उसी मूल भाग से चूक जाते है। यह बिल्कुल सही बात है। यीशु मसीह, परमेश्वर का पुनरुत्थित पुत्र, आपके जरिये से अन्य भाषाओं में बात कर सकता है, वह आपके जरिये से भविष्यवाणी कर सकता है, वह आपके जरिये से दर्शनो को दिखा सकता है, वह आपके जरिये से अज्ञात भाषाओं का अनुवाद कर सकता है। और यह सब उसका भाग है।

239 और उस के *इस* भाग को ले लेना और उस के *इस* भाग को छोड़ देना, यह ऐसा होगा जैसे मुझे दो हिस्सों में आधा काट दिया जाए और मेरे कमर और पैरों को नीचे से लेते हुए और कहा जाए कि तुमने मुझे ले लिया है, जबकि *इस* भाग को आप लेते ही नहीं है।

240 आपको या तो मुझे पूरी तरह से लेना होगा... और यही कारण है कि मैं एक पूर्ण–सुसमाचार का प्रचारक हूं यह विश्वास करता हूं परमेश्वर ने जो कुछ भी कहा है वह सत्य है। आमीन! महिमा! मैं अभी एक पवित्र–शोर शराबा करने वाले की तरह महसूस करता हूं। जी हां, श्रीमान। मैं इसे विश्वास करता हूं!

7. मत्ती 24:29 इसके विषय में बताता है, "सूरज अंधकारमय हो रहा है, चन्द्रमा अपनी रोशनी को न देगा, और तारे आकाश से गिर पड़ेंगे।" क्या यह रेपचर से पहले होगा या बाद में, या यीशु के आर–आई–... धरती पर राज्य में आने से ठीक पहले होगा?

241 मेरे नम्र विश्वास के अनुसार, अब, मैं ऐसा नहीं... मैं नहीं जानता, मुझे लगता है कि वो मत्ती 24 के बारे में बात कर रहा है। अब, यीशु तारों और गिरती चीज़ों के बारे में बोल रहा हैं, मेरा विश्वास है कि ऐसा धरती पर महासंकट काल के शुरू होने से ठीक पहले होता है।

242 अब, मेरे मन में एक बहुत ही अजीब सा विचार है कि आप में से बहुत से लोग इस पर मुझसे असहमत होंगे, क्योंकि, मैं पुराने समय के कुछ लोगों की शिक्षा सुनते हुए कल्पना करता था कि हम इसमें से से होकर गुज़रेंगे। देखिए, मैं ऐसा विश्वास नहीं करता कि कलीसिया महासंकट काल में से होकर गुज़रेगी। मुझे विश्वास है कि कलीसिया... देखो, मैं... मैं नये नियम को केवल एक तरीके से सिखा सकता हूं वो है पुराने नियम की छाया, ठीक वैसे ही जैसे यहाँ पवित्र आत्मा सब्त के दिन और आदि–आदि के लिए। वहां पीछे हर एक चीज एक छाया है।

243 अब, पीछे मुड़कर पुराने नियम में देखें। जब आप विपत्तियों को गिरते हुए देखते हो, तो वे मिस्र में थीं। क्या वे नहीं थी? और परमेश्वर अपने लोगों को प्रतिज्ञा किये हुए देश की ओर ला रहा था। क्या यह सही है? और इस्राएल को कभी एक भी विपत्ति नहीं मिली। बिल्कुल जैसे विपत्तियां... इसके होने से पहले, वे गोशेन में गए। क्या यह सही है? और सूरज का प्रकाश कभी भी कम नहीं पड़ा, ना ही कोई मख्खियां आई, ना ही वहां कोई मेंढक थे, कोई जूँ नहीं थी, वहाँ कोई तूफ़ान नहीं था, कोई बिजली का चमकना नहीं था, ना ही वहाँ किसी पशु को मारा गया था, और जो कुछ उनके पास था उसे गोशेन में सुरक्षित रखा गया था। क्या यह सही है? यह एक कलीसिया का नमूना है जो महासंकट काल से ठीक पहले हो रहा था। यीशु ने कहा, "जब ये चीज़ें घटित होने लगें, तो अपने सिर को ऊपर करो, तुम्हारा छुटकारा निकट है।" देखा?

244 मेरा विश्वास है कि चाँद और सूरज और तारे... तब उन्होंने ऐसा कहा... आगे जाकर और इसे पढ़े, कहा, "और मनुष्य भागकर और छिप गए... और उन पर टूट पड़ा... उन्होंने खुद को मारने की कोशिश की, और ऐसा नहीं कर सके, और इत्यादि।" मैं विश्वास करता हूं कि यह बात ठीक महासंकट से पहले जगह लेती है।

245 अब, देखो, महासंकट आता है। जब महासंकट आता है, कलीसिया ऊपर चली जाती है। अब, याद रखें, एक साधारण सी कलीसिया जो बिना पवित्र आत्मा के होती है वो महासंकट काल से होकर गुजरती है। यही केवल चुनी हुई होती है जो उसमें से जाती है।

246 ओह, मैं यहाँ किसी चीज़ को बस कुछ मिनट के लिए ज़ोर से रगड़ सकता हूँ। क्या आप मुझे तीन मिनट और देंगे? वे—वे बुलाये गये रेपचर

हुए लोग क्या है, वे शेष बचे हुए? क्या यह सही है? तो ठीक है... मेरा—मेरा मतलब है यह—यह दुल्हन है। अब, जो शेष बचे हुए रह गये थे।

247 अब, जब एक महिला स्कर्ट को बनाने के लिए एक आकार को काटने जाती है, आप इसके विषय में करें। वह कपडे को सामने रखती है (क्या यह सही है?), कपडे के टुकडे को। और वह इस पर अपना डिज़ाइन या खांका रखती है। वह निर्धारित करती है कि डिज़ाइन या नमूने को कहां से काटा जाना है। सही है?

248 ओह भाई, इससे सचमुच आपका भला होता है! चुनाव कौन करता है? चुनाव परमेश्वर करता है! क्या यह सही है? यह मैं नहीं कह रहा, यह वो कह रहा है। और वह जिस पर चाहता है उस पर नमूने या खांके को रखता है। क्या यह सही है?

249 अब, वहाँ दस कुंवारीयां दूल्हे से मिलने के लिए निकलीं। क्या यह सही है?

250 "कुंवारी" क्या है? *कुंवारी* का अर्थ होता है "शुद्ध, पवित्र।" क्या यह सही है? कुंवारी लड़की क्या होती है? यह एक ऐसी लड़की है जिसे कभी छुआ नहीं गया, वह एक कुंवारी है। विशुद्ध या एकदम शुद्ध जैतून के तेल के जैसे, कौन सी चीज़ इतनी शुद्ध है? इसका मतलब है कि इसे तब तक शुद्ध किया गया है जब तक यह अपनी विशुद्ध अवस्था में नहीं आ जाता, यह शुद्ध है। विशुद्ध सोना क्या है? यह तब होता है जब सारा कचरा... यह गर्मी और हर चीज से होकर जाता है और सारा कचरा बाहर निकाल देता है। क्या यह सही है? सारा लोहा और लोहे जैसा धातु, और बाकी का सब कुछ, उबाल कर बाहर किया गया है, यह तब ये अपनी शुद्ध अवस्था में होता है।

251 अब, वहां दूल्हे से मिलने के लिए दस जन निकले। यीशु ने ऐसा कहा। क्या सही है? कितने लोग इससे सहमत हैं, कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] दस जन उससे मिलने निकले। अब, देखो, वे सभी पवित्र थे। ख़ैर, *पवित्र* होने के लिए उनका "पवित्रीकरण" होना ही था क्योंकि यही एकमात्र साफ़ होना है, पवित्र धारा जो परमेश्वर के पास है, जो पवित्रीकरण है। क्या यह सही है?

252 अब, देखो। उन सभी दसों को पवित्र किया गया था, लेकिन पांच के दीये में तेल नहीं था, और पांच के दीये में तेल था। क्या यह सही है?

तेल किसे दर्शाता है? अब, ना ही पवित्रता को, विशुद्ध अवस्था को। *तेल* "पवित्र आत्मा" का प्रतिनिधित्व करता है।

253 अब, यदि मैं यह कहूं... और ये कुछ ठेस पहुंचाता हूं, पर मेरा अर्थ उस तरह से नहीं है जैसा मैं कहता हूं। अब, आप मुझे क्षमा करें, और कलीसिया से दूर न होना। मैं यहां केवल आपकी सहायता करने का प्रयास करने के लिए पुलपीट पर हूं। समझे? अब, देखो, मैं आपको दिखाता हूँ।

254 धरती पर ऐसी कोई कलीसिया नहीं है जो अब इतनी शुद्ध हो सकती है उनकी तुलना में जो नाज़रीन की शिक्षाओं में, पिलग्रिम होलीनेस और उनमें है। क्या यह सही है? वे पवित्रीकरण की शुद्धता में पूरी तरह से विश्वास करते हैं, ना ही... यहाँ तक कि उनकी महिलायें भी अंगूठियाँ, और कुछ भी पहनती हैं। शुद्धता और पवित्रीकरण, हर तरह से, वे इसमें विश्वास करते हैं। होलीनेस संगठन, सारे नियम वादी, यही उनकी शिक्षा है, वे इस पर विश्वास करते हैं। पवित्र! महिलाएं लंबे बाल और लंबी स्कर्ट पहनती हैं। पुरुष को यहाँ तक अपनी आस्तीन को भी ऊपर नहीं चढ़ाना चाहिए, उनमें से बहुत से है। हर के चीज, यहाँ तक स्पर्श भी नहीं करते... धूम्रपान, शराब, कुछ भी... इसमें कुछ भी नहीं, देखिए। पवित्र! आप कोई साफ़ जीवन नहीं जी सकते।

255 लेकिन वही नाज़रीन कलीसिया, यदि कोई मनुष्य कलीसिया में अन्य जुबान में बोलेगा, तो उसे दरवाजे से बाहर निकाल दिया जाएगा। और उन्होंने कहा कि वे उनमें से किसी के साथ बैठेंगे भी नहीं। अब, यह सच बात है। आपको यदि विश्वास न हो तो एक बार जाँच कर देख लीजिए। एक बार पता करें। वे इसके विचारों से ही घृणा करते हैं। उन्होंने कहा, "यह शैतान है!"

256 उनमें से पांच... उनमें से दस कुंवारियाँ थीं। पाँच सयानी थी जिनके दीये में तेल था, और अन्य पाँच वैसे ही शुद्ध और पवित्र थी लेकिन उनके पास तेल नहीं था (उनका पवित्रीकरण हुआ था, बिना पवित्र आत्मा के)।

257 "वहां धरती पर तीन हैं जो गवाही को देते हैं: जल, लहू, आत्मा।" संत यूहन्ना 5:7... मेरा मतलब, पहला यूहन्ना 5:7, कहा "वहां स्वर्ग में तीन है जो गवाही को देते है: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, ये तीन एक हैं। लेकिन वहां धरती पर तीन हैं जो गवाही को देते हैं: जल, लहू, आत्मा, वे एक नहीं हैं लेकिन वे एक के रूप में सहमत होते हैं।"

258 अब, पुत्र के बिना आपके पास पिता नहीं हो सकता। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के बिना आपके पास पवित्र आत्मा नहीं हो सकता। वे एक हैं। आप... वे अभिन्न हैं।

259 लेकिन आपका बिना पवित्रीकरण के धर्मीकरण हो सकता है। और आपका बिना पवित्र आत्मा के भी पवित्रीकरण हो सकता हैं; साफ रह सकते है, शुद्ध जीवन को जी सकते है, और भक्ति का भेष धरते है, और चंगाई करने और अन्य भाषाओं में बोलने की सामर्थ और परमेश्वर के महान दानों से इनकार कर सकते हैं (और वहां उनमें से प्रत्येक का)।

260 वहां पर आपकी पाँच सयानी कुंवारियाँ हैं जिनके दीये में तेल था, रेपचर का विश्वास, सारे चिन्हों, अद्भुत कार्यों, भविष्यवाणियों और हर चीज़ पर विश्वास करते हुए। और ये पाँच बचे हुए में से काट कर निकाल लिये गये थे।

261 और उनमें से बाकी अभी भी कुंवारी थीं और नाश नहीं होंगी, लेकिन महासंकट काल से होकर जायेंगी। यीशु ने कहा "वहां होगा... "

262 और उन्होंने कहा—उन्होंने कहा, "हमें अपने में से कुछ तेल दो, हम अब पवित्र आत्मा चाहते हैं।"

263 अब, कोई भी जानता है कि पवित्र आत्मा, जकर्याह 4, और, ओह, याकूब 5:14, सभी जानते हैं कि—कि यह पवित्र आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है। अब, उन्होंने कहा... यही कारण है कि हम तेल से अभिषेक करते हैं, ये पवित्र आत्मा का प्रतिनिधित्व करता हैं; अब, "आत्मा का तेल," बाईबल ने कहा।

264 अब, *इनके* पास पवित्र आत्मा था; और *इनका* पवित्रीकरण हुआ था। *इनका* पवित्रीकरण हुआ था *साथ ही* पवित्र आत्मा था, हर एक परमेश्वर की सामर्थ और अद्भुत चीजों पर विश्वास करते हुए। परमेश्वर ने यहां जो कुछ भी कहा था, उनके पास ये था, उस पर विश्वास कर रहे थे। इन्हें उठा लिया गया था।

265 और *ये* कहा, "अब हमें, हमें दे दो।"

266 कहा, "हमारे पास बस इतना ही है कि हम इसमें जा सकें," और वे रेपचर में चले गये।

267 और उन्होंने कहा, "जाकर उनसे खरीदो जो तुम्हें बेचते हैं," उन्होंने कहा। और वे तब प्रार्थना करने का प्रयास करने के लिए चले गए, ताकि पवित्र को पाए, लेकिन अन्यजातियों का समय काल समाप्त हो गया था और सतावट बढ़ गयी थी। और उसनें कहा, "उन्हें बाहरी अंधकार में डाल दिया गया था जहाँ पर रोना–पीटना और दाँत पीसना होगा।" लेकिन दूसरे पुनरुत्थान में वे भेड़ें होंगी जो बकरियों से अलग हुई हैं, लेकिन कभी भी दुल्हन नहीं, ना कभी चुने हुए। यही स्त्री के बीज का अवशेष है।

268 अवशेष क्या है? जो टुकड़ा काट कर, छोड़ा गया। उसी तरह का कपड़ा था। क्या यह सही है? आप सूती के कपड़े में से एक पोशाक काटने जाते हैं, और आप सूती के कपड़े के एक बड़े टुकडे को फैला कर रखते हैं और उसे काटते हैं। ये आपका काम है आप कहाँ पर डिजाईन या खांके को रखते हैं। यह परमेश्वर का काम है वो कहाँ पर डिजाईन या खांके को रखता है। वह उसे ठीक वहां से काट देता है। क्या यह सही है? और अब यह, यह यहाँ बाकी का बचा हुआ सूती का कपड़ा, ये उतना ही अच्छा कपड़ा है जितना ये पोशाक में का सूती का कपड़ा है। क्या यह सही है? लेकिन यह परमेश्वर का चुनाव है। परमेश्वर अपनी कलीसिया का चुनाव करता है, परमेश्वर अपनी कलीसिया को पहले से ठहराता है; परमेश्वर ने इसे पहले से ही निर्धारित किया था, अपनी कलीसिया को पहले से ही निर्धारित किया था, और वो उस कलीसिया को ले जाता है! और बाकी के बचे हुए को महासंकट काल से होकर जाने के लिए छोड़ दिया जाता है।

269 और यही है जहां आज बहुत से बाईबल के विद्वान उलझ जाते हैं, यह सोचते हुए कि दुल्हन उधर वहां महासंकट में होती है। एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, कहा, "मैं आपको नहीं बता सकता, भाई ब्रंहम।" कहा, "मैंने दुल्हन को वहां स्वर्ग में देखा है। और अजगर दुल्हन के साथ युद्ध करने के लिए अपने मुंह से पानी को बाहर निकाल रहा है। और एक लाख चौवालीस हजार, जो दुल्हन है, सिनय के पहाड़ पर खड़ी हुई है।"

270 मैंने कहा, "ओह, नहीं। नहीं। नहीं। नहीं। आपने इस सब को उलझा दिया है। दुल्हन स्वर्ग में थी।" और स्त्री के बीज का *अवशेष,* ना ही वो... वो डिज़ाइन या आकार नहीं, वहाँ पर बचा हुआ अवशेष था, और सतावट थी (रोमन साम्राज्य की) जब कैथोलिकवाद संगठित होगा और वे बड़ी कलीसिया के साथ उनकी शक्तियों को एकजुट करेंगे।

271 क्यों, उन्होंने इसे ठीक... यह एक रात टेलीविजन पर आया था। मेथोडिस्ट कलीसिया, मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट और पुरे क्राइस्ट की सारी कलीसियाओ को एकजुट करने का प्रयास कर रही है कैथोलिकवाद के साथ एकजुट होने कोशिश कर रहे हैं और एक सामान्य वेदी के सामने खड़े होने की। बिशप ने क्या कहा जब वहां उस पर एक रात एक साम्यवाद होने का मुकदमा चलाया गया? मैं खुद वहां खड़ा होकर इसे टेलीविजन पर देख रहा था। उनमें से सारे झुंड! और जब वह समय आता है, तो सतावट बढ़ जाएगी। तब पवित्र आत्मा उतर कर आएगा, और मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, और सारे अन्य जुबान में बोलेंगे, परमेश्वर की स्तुति करेंगे, और बीमारों को चंगा करेंगे और भविष्यद्वाणी करेंगे, और सारे चिन्ह और अद्भुत कार्य आ जायेंगे। चुने हुए लोग ऊपर जाएंगे, और बचे हुए लोगों को महासंकट काल में से होकर जाने के लिए यहां छोड़ दिया जाएगा। और समय के अंत में, जब वे देखेंगे कि क्या हुआ है, तो उन्हें शहीद होना पड़ेगा।

272 तब देखना। आप कहते है, "अच्छा, अब, भाई ब्रंहम, क्या आपका मुझे बताने का अर्थ यह हैं कि ऐसा होने वाला है... कि—कि वे लोग होंगे जो सफ़ेद न्याय सिंहासन पर वहां उपस्थित होंगे? " वे होंगे... दुल्हन का कभी भी न्याय नहीं किया जाएगा। नहीं, श्रीमान। वो मसीह में है। आप मसीह में कैसे आते हैं? "एक आत्मा के द्वारा हम सभी एक देह में बपतिस्मा लेते हैं।" क्या यह सही है?

273 अब, देखो, यहाँ पर देखना। बाईबल ने कहा, "न्यायी बैठ गये, और किताबें खोली गईं थी।" क्या यह सही है? पापियों की किताबें। "और एक और किताब खोली गई थी, " जो जीवन की किताब है, और प्रत्येक मनुष्य का न्याय उसी अनुसार किया गया था। क्या यह सही है? और न्याय कौन कर रहा था? यीशु और संत। उसने कहा, "वो सेवक के पास आया, जो हमारा प्राचीन है, जिसके बाल ऊन के समान हैं।" और कहा, "दस हजार गुना दस हजार उसके साथ आए, और न्याय में उसकी सेवा की।" यहाँ यीशु राजा और रानी के रूप में लौटते है, विवाह पूरा होता है, और वो विवाहित है। यहाँ राजा और रानी खड़े हुए हैं। और वहाँ वह पवित्र झुण्ड खड़ा होता है, परमेश्वर ने कहा, "यहाँ मेरी दाहिनी ओर खड़े हो जाओ।" यही है किताब खोली गई थी, जो पापी थे, "मेरे बाई ओर

आ जाओ।" यहां पर वे लोग हैं जिनके नाम मेम्ने के जीवन की किताब में लिखे गए हैं।

274 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, मेरा नाम वहाँ पर लिखा है, मैं जाऊँगा!" एक मिनट रुकना! यहूदा इस्करियोती का पवित्रीकरण हुआ था। व्यूह! भाई, अब जाग जाओ, चिमटी ले लो, ताकि आप इसे समझ सको, आप देखो।

275 यहूदा इस्करियोती, उसकी आत्मा आज मसीह–विरोधी है। आप यह जानते हैं। यीशु परमेश्वर का पुत्र था, परमेश्वर से आया और परमेश्वर के पास लौट गया; यहूदा विनाश का पुत्र था, अधोलोक से आया और अधोलोक में लौट गया। यीशु पश्चाताप करने वाले पापियों को अपने साथ ले गया; यहूदा अपश्चातापियों को अपने साथ ले गया, "*यदि* तुम हो! यदि! यदि! यदि तुम एक दिव्य चंगाई करने वाले हो, तो *ऐसा* करो, यदि तुम *यह* हो, तो *वैसा* करो।" (देखें, यह परमेश्वर के वचन पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।) "अद्भुत कार्यो के दिन बीत गये। यदि ऐसा है तो मुझे *इसे* दिखाओ। यदि! यदि! यदि!" देखा?

"यह सब सच है," परमेश्वर ने कहा।

276 अब देखो. यहूदा इस्करियोती विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया गया, और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया और बपतिस्मा लिया। बाईबल ने कहा, "यीशु—यीशु ने अपने चेलों को, अपने चेलों को बपतिस्मा दिया।" तो ठीक है।

277 संत यूहन्ना 17:17, इससे पहले कि वो उन्हें बाहर भेज पाता, उसने कहा, "पिता, उन्हें सत्य के द्वारा पवित्र कर। तेरा वचन सत्य है।" और वो वचन था, यहाँ तक इससे पहले प्रायश्चिता को किया गया था। दूसरे शब्दों में, "एक पूर्वदर्शन के नाई, पिता, मेरे अपने बहाए गए लहू से, मैं इन्हें पवित्र करता हूँ।"

278 उस ने उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर सामर्थ दी, और वे निकल पड़े, और उन्होंने दुष्टात्माओं को निकाला। क्या यह सही है? और उन्होंने बीमारों को चंगा किया। क्या यह सही है? और वे वापस लौटे, पवित्र किये हुए, आनन्दित होकर, उछलते हुए, जयजयकार करते हुए, और परमेश्वर की स्तुति करते हुए। क्या यह सही है? और कहा, "यहाँ तक कि शैतान भी हमारे अधीन हैं।"

279 और यीशु ने कहा, "तुम इसलिये आनन्दित न होना कि शैतान तुम्हारे आधीनता में हैं, लेकिन आनन्द मनाओ क्योंकि तुम्हारे नाम स्वर्ग की पुस्तक में लिखे गये हैं।" क्या यह सही है? और यहूदा इस्करियोती उनके साथ था, उन में से एक, बुलाया गया, पवित्र किया गया, और उसका नाम मेम्ने के जीवन की किताब में लिखा गया था। मत्ती 10 पढ़ें और देखें कि क्या यह सही नहीं है। उसने उनमें से हर एक को बुलाया, और यहूदा को और उनमें से हर एक को, ठीक वहां पर बुलाया। उसने उन्हें बाहर भेजा, उन्हें अशुद्ध आत्माओं के विरुद्ध सामर्थ दी।

280 अब देखो! अपने आघात से प्रभावित न होने वाले वस्त्र को पहन ले। लेकिन जब यहूदा उस कलीसिया में से होते हुए ठीक वहाँ पर आया, कलीसिया के खजांची के रूप में, पास्टर के साथ काम करते हुए... यीशु। लेकिन जब ये पेंटीकोस्ट का समय आया, तो उसने अपने रंग को दिखाया। उसने दिखाया कि वह क्या था। और उसके विषय में पर्याप्त शालीनता के साथ—साथ, उसने अपने आप को ही नष्ट किया और गूलर के पेड़ पर लटक गया, ताकि भविष्यवाणी को पूरा करें। और यहूदा की आत्मा ठीक वहां आगे तक आएगी और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेगी। जैसे यीशु ने कहा, "शैतान विश्वास करता हैं और कांपता हैं।" वो सीधा वहां तक आएगा और पवित्रीकरण को सिखाएगा, उतना ही शुद्ध पवित्र जीवन जितना यह हो सकता है; लेकिन जब ये पवित्र आत्मा के बपतिस्मा और आत्मा के दानों पर बात आती है, तो वह इससे इनकार कर देगा! वह हर समय अपने रंग को दिखाएगा। वहाँ पर यह आत्मा है–...

281 और यीशु ने कहा, "सावधान रहना!" मत्ती 24, फिर से। "दो आत्माएं एक–दूसरे के इतने नजदीक होंगी कि यह चुने हुए को ही भरमा देंगी... " क्या यह सही है? जहां पर वह डिज़ाइन या खांके को बिछाया जा रहा है... भाई, बेहतर होगा पुराने चलन पर विश्वास करें, पवित्र आत्मा के प्रचारक जो यही पर है और परमेश्वर के साथ संबंध सही कर ले। यह सही है। भक्ति के भेष को धरकर और उसकी सामर्थ का इनकार ना करें। आमीन! हर एक जन अच्छा महसूस कर रहा है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

जब हम सब स्वर्ग पहुँचेंगे,
क्या ही वो आनन्द करने का दिन होगा!

जब हम सब यीशु को देखते हैं,
हम गाएंगे और जीत का शोर मचाएंगे।

जब हम सब स्वर्ग पहुँचेंगे,
क्या ही वो आनन्द करने का दिन होगा!
जब हम सब यीशु को देखते हैं,
हम गाएंगे और जीत का शोर मचाएंगे।

282 हाल्लेलुय्या! आइए कुछ समय के लिए खड़े हो जाए। कितने लोग उसे पूरे हृदय से प्रेम करते हैं? अपना हाथ उठाये, कहें, "प्रभु की स्तुति हो।" [भाई ब्रंहम के पीछे–पीछे सभा के लोग दोहराते है—सम्पा।] "प्रभु, मैं पूर्ण सुसमाचार पर विश्वास करता हूँ। मुझे आपका सेवक होने में सहायता करें।" हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! क्या आप उससे प्रेम करते है? ["आमीन।"] बाईबल में वे...

283 एक महिला ने मुझसे कहा एक... एक लड़का, वह हो सकता है आज रात सुन रहा होगा, वह सड़क के उस ओर ही रहता है। वह वहाँ ऊपर आया। और बहन लूला जो यहाँ कलीसिया में आती थी, वो वहाँ पीछे जयजयकार कर रही थी। मैं प्रचार कर रहा था, भाई नेविल। और उस लड़के ने मुझसे कहा... अब, वो यहाँ फर्स्ट बैपटिस्ट कलीसिया में संडे स्कूल के शिक्षक थे। उन्होंने कहा, "बिली, मैं आपके उपदेश का आनंद ले रहा था इतना तक कि वह महिला रोने और चिल्लाने लगी, 'धन्यवाद यीशु! प्रभु की स्तुति हो!' और कभी तो एक बार" कहा "किसी व्यक्ति ने कहा," (भाई सेवार्ड) "चिल्लाये, 'प्रभु की स्तुति हो! आमीन!'" और मैं *अपने जन्मसिद्ध अधिकार को खोना* इस पर प्रचार कर रहा था, एसाव ने अपने जन्मसिद्ध अधिकार को बेच दिया। और मैं आगे बोलते जा रहा था, और वे बस चिल्लाते जा रहे था, चिल्लाते जा रहे थे। और कहा, "ओहहह," कहा, "इससे—इससे बस मेरी पीठ के ऊपर ठंड होने लगती है।" कहा, "मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता!"

284 मैंने कहा, "भाई, यदि तुम कभी स्वर्ग जाते हो तो जम कर मर जाओगे।" मैंने कहा, "स्वर्ग में दिन और रात निश्चय ही जय–जयकार होती रहती है।" और ये सही है भाई। ओह, हाँ, श्रीमान!

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, उसके चेहरे की ओर
देखना,
वहां हमेशा गाता रहूं उसके उद्धार के अनुग्रह को;
महिमा के मार्गो पर मुझे अपनी आवाज़ को उठाने दो;
चिंताये सारी बीत गयी, अंत में घर पर हूं, हमेशा के
आनंद के लिए।

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, उसके चेहरे की ओर
देखना,
वहां हमेशा गाता रहूं उसके उद्धार के अनुग्रह को;
महिमा के मार्गो पर मुझे अपनी आवाज़ को उठाने दो;
चिंताये सारी बीत गयी, अंत में घर पर हूं, हमेशा के
आनंद के लिए।

285 आमीन! तो ठीक है, भाई नेविल। परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक वहाँ पहुँच जाये और यह आपका है, देखो।

उत्पत्ति पर प्रश्न और उत्तर HIN53-0729

(Questions and Answers on Genesis)

कलीसिया श्रृंखला का प्रबन्ध, व्यवस्था और शिक्षा

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 29 जुलाई, 1953 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org